दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षकः मां वैष्णों देवी
* वर्षः 07 * अंक : 289 * मुंबई, शनिवार, 26 अप्रैल 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

भारत-पाक तनाव के बीच रूस ने उठाया बड़ा कदम

अपने नागरिकों से कहा- 'पाकिस्तान जाने से बचें'

संवाददाता

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में आए तनाव के बीच रूस ने बड़ा कदम उठाया है। रूसी दूतावास ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा से बचने की सलाह दी है। रूस ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और पाकिस्तानी अधिकारियों की आक्रामक भाषा को देखते हुए रूसी नागरिकों को स्थिति सामान्य होने तक पाकिस्तान जाने से बचना चाहिए।

पुतिन ने भारत का दिया साथ

इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहलगाम हमले पर भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संवेदना संदेश भेजा था। पुतिन ने कहा, 'यह क्रूर अपराध को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। हमें विश्वास है कि अपराधियों को उनके अपराध की सजा मिलेगी।' उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर काम करने की इच्छा भी जताई।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं, जिनमें सबसे बड़ा

सिंधु जल समझौता निलंबित करना शामिल है। इसके अलावा, भारत ने सार्क वीजा छूट योजना (SVES) रद्द करने के साथ-साथ अटारी बॉर्डर बंद करने जैसे कड़े कदम भी उठाए हैं। वहीं, पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है और वाघा बॉर्डर भी बंद कर दिया गया है। पाकिस्तान ने शिमला समझौते को निलंबित करने का भी फैसला किया है।

आतंकी हमले में २६ की मौत

२२ अप्रैल को आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। जिसमें २६ लोगों की मौत हो गई। (**शेष पेज ०२ पर**)

अमित शाह के साथ जल मंत्री की बैठक पाकिस्तान को पानी जाने से रोकने के लिए रोडमैप तैयार

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में सिंधु जल संधि पर भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में जल शक्ति मंत्री सी आर.पाटिल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद पाटिल ने बताया कि सरकार ने भारतीय नदियों का पानी पाकिस्तान न जाने देने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार शॉर्ट टर्म, मिड टर्म और लॉन्ग टर्म उपायों पर काम कर रही है, जिनमें नदियों की सफाई और पानी के प्रवाह को मोड़ने जैसे कदम शामिल हैं। भारत ने पहले ही पाकिस्तान को सूचित कर दिया है कि वह सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर रहा है, क्योंकि पाकिस्तान ने इसकी शर्तों का उल्लंघन किया है। भारत की जल संसाधन सचिव देबाश्री मुखर्जी ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष सैयद अली मुर्तजा को लिखे पत्र में कहा कि जम्मू-कश्मीर को निशाना बनाकर पाकिस्तान लगातार सीमा पार आतंकवाद और सिंधु जल संधि के तहत भारत के अधिकारों में बाधा डालता है। पत्र में लिखा है, 'किसी संधि का ईमानदारी से सम्मान करने की जिम्मेदारी संधि के लिए बेहद जरूरी है। हालांकि, इसके बजाय हमने देखा है कि पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर को निशाना बनाकर लगातार सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियां जारी हैं।

एमएमआरडीए व बीएमसी के बेपरवाह अधिकारी के चलते सुख गए पौधे

सांताक्रुज पूर्व हंस मुगरा रोड पर बने फ्लाईओवर का ब्यूटीफिकेशन बना मज़ाक

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में लगातार बढ़ती गर्मी से जहां आम जनता बेहाल है, वहीं बीएमसी और एमएमआरडीए अधिकारियों की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। सांताक्रुज (पूर्व) के हंस मुगरा रोड से कालीना-कुर्ला जाने वाले फ्लाईओवर ब्रिज पर लाखों रुपये खर्च कर किए गए ब्यूटीफिकेशन कार्य की हालत खराब हो चुकी है। ब्यूटीफिकेशन के तहत लगाए गए सभी पौधे अब पूरी तरह सूख चुके हैं, और अब यह जगह सौंदर्यीकरण की बजाय बदसूरत कचरे का ढेर बनती जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारियों की लापरवाही और देखरेख की कमी के चलते यह हाल हुआ है। बीएमसी एच/पूर्व और एमएमआरडीए विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। दोनों में से किसी की भी नजर इन सूखे पौधों पर नहीं पड़ रही है। यह स्पष्ट रूप से जनता के पैसे की बर्बादी है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि इस मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो।

कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत 'गद्दार' टिप्पणी मामले में गिरफ्तारी पर रोक

संवाददाता

मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी को लेकर मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर स्थायी रोक लगा दी है और उनके द्वारा दायर केस रद्द करने की याचिका स्वीकार कर ली है। हालांकि, कोर्ट ने जांच पर रोक लगाने से इंकार किया है। शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था, जिसमें कामरा ने मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो में एक शो के दौरान बिना नाम लिए शिंदे पर व्यंग्य किया था, जिसमें उन्होंने 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी करते हुए उन्हें 'गद्दार' कहा। इसके बाद स्टूडियो में तोड़फोड़ की गई और राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया। कोर्ट ने कहा कि कामरा का निवास तमिलनाडु में होने के कारण, अगर पुलिस को उनसे पूछताछ करनी है तो उसे चेन्नई में ही करनी होगी। इससे पहले कोर्ट ने उन्हें १६ अप्रैल को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी, जिसे अब स्थायी कर दिया गया है। कामरा ने स्पष्ट किया था कि वे माफी नहीं मांगेंगे, और इस मामले में उन्हें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत का समर्थन मिला है।

वीजा रद्द होने के बाद तय समय से अधिक समय तक रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ होगी कार्रवाई: देवेंद्र फडणवीस

संवाददाता

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में २२ अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद, जिसमें महाराष्ट्र के छह नागरिकों समेत २६ लोगों की मौत हुई, राज्य सरकार ने एक सख्त कदम उठाते हुए महाराष्ट्र में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सभी पाकिस्तानी पर्यटकों के वीजा रद्द किए जाने के बाद उन्हें ४८ घंटे के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। सीएम फडणवीस ने मीडिया से बात करते हुए बताया, हमने महाराष्ट्र में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की सूची तैयार की है और उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सभी स्थानीय पुलिस थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्र में अनुपालन सुनिश्चित करें।

अगर कोई पाकिस्तानी नागरिक ४८ घंटे के भीतर राज्य नहीं छोड़ता, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी भी वर्ग के पाकिस्तानी नागरिकों के लिए बिना किसी रियायत के लागू होगी, चाहे वे अभिनेता हों या क्रिकेट खिलाड़ी। उन्होंने कहा हमें पाकिस्तानी अभिनेताओं और क्रिकेटरों से कोई सहानुभूति नहीं है। फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकी हमले के बाद दिए गए कड़े बयान की सराहना करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जो कहते हैं, वही करते हैं। उनका दृढ़ संकल्प देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रतीक है। वहीं, मुख्यमंत्री ने इस विषय पर केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल न होने के लिए शिवसेना (यूबीटी) को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मामलों में राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों को एकजुट रहना चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखा रहे हैं। शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के द्वारा दिए गए बयान कि एयरलिफ्ट किए गए यात्री पहली बार फ्लाइट में बैठे थे को लेकर पूछे जाने पर फडणवीस ने इसे अनुचित बताया और कहा, 'इस तरह की टिप्पणियों से पीड़ितों और उनके परिवारों की भावनाओं को ठेस पहुंचती है। इस घटनाक्रम के बाद महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता को और कड़ा किया गया है।

बीएमसी का स्वच्छता अभियानः धार्मिक स्थलों की 28 अप्रैल से 9 मई तक होगी विशेष सफाई

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 'स्वच्छ मुंबई' अभियान के तहत २८ अप्रैल से ९ मई तक शहर के सभी धार्मिक स्थलों – मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और अन्य उपासना स्थलों – की सफाई का विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह वार्डवार सफाई अभियान सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट विभाग की निगरानी में प्रतिदिन सुबह ११ बजे से दोपहर १ बजे तक संचालित किया जाएगा। बीएमसी ने बताया कि इस पहल में संबंधित धार्मिक स्थलों के ट्रस्टी, प्रबंधन समितियाँ, एनजीओ और स्थानीय नागरिक भी सक्रिय रूप से भाग लेंगे। सोमवार तक सभी धार्मिक स्थलों की सूची और अभियान की कार्ययोजना तैयार कर ली जाएगी। इससे पहले बीएमसी ने ईस्टर्न और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे सहित कई सड़कों की गहन सफाई भी की थी, जिसे इस व्यापक स्वच्छता पहल का हिस्सा माना जा रहा है।

बीएमसी एच/पूर्व जल अभियंता की लापरवाही से गहराता जल संकट, वाशिंग सेंटर्स में हो रहा पीने के पानी का दुरुपयोग

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के एच/पूर्व विभाग में जल संकट की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं, और इसका एक प्रमुख कारण है विभागीय अभियंताओं की लापरवाही या मिलीभगत। जानकारी के अनुसार, सांताक्रूज पूर्व सर्विस रोड से लेकर बांद्रा पूर्व खेरवाड़ी, वाकोला और कालीन इलाके तक कई वाशिंग सेंटर्स खुलेआम बीएमसी द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पीने के पानी का इस्तेमाल गाड़ियों की धुलाई में कर रहे हैं। हालांकि नियमों के अनुसार वाशिंग सेंटर्स में पीने के पानी के इस्तेमाल पर सख्त मनाही है, फिर भी बीएमसी अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह अवैध गतिविधि बेरोकटोक जारी है। यह न केवल बीएमसी के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मुंबई जैसे जल संकट झेल रहे शहर में आम नागरिकों के अधिकारों के साथ भी अन्याय है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बीएमसी जल विभाग के अभियंताओं की 'कामचोरी' और संभवतः वाशिंग सेंटर्स से मिलीभगत के चलते कार्रवाई नहीं हो रही। जबकि कई क्षेत्रों में लोगों को पीने के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा, ऐसे में पीने योग्य पानी का व्यावसायिक इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय बन गया है। यह मामला बीएमसी प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है और अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आगामी दिनों में जल संकट और भी विकराल रूप ले सकता है।

वक्फ एक्ट विवाद पर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

कहा- पूरी तरह रोक लगाना अनुचित

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम २०२५ की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज की जाएं, और इस कानून पर पूरी तरह से रोक लगाना अनुचित होगा। सरकार ने १,३३२ पन्नों के विस्तृत हलफनामे में कहा कि २०१३ के बाद वक्फ भूमि में २० लाख हेक्टेयर से अधिक की वृद्धि हुई है, जो कई मामलों में निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण के कारण हुई है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के संयुक्त सचिव शेरशा सी शेख मोहिद्दीन द्वारा दायर इस हलफनामे में केंद्र ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद ३२ के तहत किसी कानून की वैधता की जांच का अधिकार केवल कोर्ट के पास है, लेकिन तब तक संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू रहेगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि संशोधन विधायी शक्ति के वैध प्रयोग के तहत किया गया है और इसका उद्देश्य धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, न कि धार्मिक स्वतंत्रता को बाधित करना। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर काम करने वाली संसदीय समिति ने व्यापक और निष्पक्ष अध्ययन के बाद यह संशोधन तैयार किया है। केंद्र ने कोर्ट से अपील की कि बिना समुचित जांच के किसी भी प्रकार की पूर्ण या आंशिक रोक का आदेश देना अनुचित होगा, क्योंकि इससे धार्मिक समुदायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। गौरतलब है कि १७ अप्रैल को सरकार ने कोर्ट को आश्वासन दिया था कि वह ५ मई तक वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं करेगी (**शेष पेज ०२ पर**)

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 'बेस्ट' को वास्तव में बेस्ट बनाने के साथ आय के स्रोत बढ़ाने के दिए निर्देश

संवाददाता

जयपुर। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 'बेस्ट' को वास्तव में बेस्ट बनाने के लिए आय के स्रोत बढ़ाने के दिए निर्देश मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सह्याद्री अतिथिगृह में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) उपक्रम को यात्रियों को बेहतर सेवा देने के साथ-साथ अपने आय स्रोत भी विकसित करने चाहिए। बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मुंबई उपनगर के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढा, सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यात्रियों को लंबा इंतजार न करना पड़े, इसके लिए बसों की संख्या बढ़ाई जाए और जीपीएस आधारित प्रणाली लागू की जाए जिससे यात्री रियल-टाइम में बस की लोकेशन जान सकें। इसके लिए गूगल के साथ करार किया जाएगा। बांद्रा, दिंडोशी और देवनार डिपो का पुनर्विकास कर भूखंडों को व्यावसायिक उपयोग के लिए किराए पर देने की नीति बनाई जाएगी ताकि बेस्ट की आय बढ़ सके। मुंबई की संकरी सड़कों को देखते हुए छोटे, अत्याधुनिक बसों की खरीद की जाएगी और इसके लिए 'नेशनल क्लीन एयर पॉलिसी' के फंड का उपयोग होगा। फडणवीस ने कहा कि लोकल ट्रेन, मेट्रो, मोनोरेल और बेस्ट सेवा को एकीकृत करने के लिए एक 'सिंगल मोबिलिटी प्लेटफॉर्म' विकसित किया जा रहा है जिससे नागरिक एक ही टिकट से अलग-अलग सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि मराठी सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए पांच बस डिपो पर मराठी सिनेमा थिएटर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि मनपा अपने वार्षिक बजट में परिवहन के लिए तीन प्रतिशत निधि आरक्षित करे ताकि बेस्ट को आर्थिक सहायता मिल सके। बेस्ट महाव्यवस्थापक श्रीनिवास ने टोल माफी, १,६५८ करोड़ बकाया और करों में छूट की मांग रखी, जिस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक निर्णय का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने छोटे बसों की योजना तैयार करने और मेट्रो स्टेशन के साथ समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। बैठक में बेस्ट की नई एसी इलेक्ट्रिक बस सेवा की भी शुरुआत की गई, जिसमें विक्रोली से मुंबई सेंट्रल तक चलने वाली बस को हरी झंडी दिखाई गई। कुल २,१०० एसी बसों की खरीदी की जा रही है, जिनमें से ५०३ बसें पहले ही शामिल हो चुकी हैं और २,४०० और बसों का ऑर्डर दिया गया है।

संपादकीय

पहलगाम- चर्चा में सिर्फ हिंदू...

यह पहली बार हुआ है कि कश्मीर घाटी में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमला किया गया। उनका धर्म पूछकर गोली मारी गई। संभव है ऐसा हुआ हो, लेकिन उस मुस्लिम की चर्चा तक गंवारा नहीं जिसे ने एक हिंदू पर्यटक लड़की को बचाने के लिए आतंकी की राइफल छीनने की कोशिश की और गोली लगने से मारा गया। उन गाइडों, घोड़े वालों, टैक्सी ड्राइवरों और होटल वालों का जिक्र नहीं होगा जो पर्यटकों को सुरक्षित निकाल ले गए। उस ड्राइवर का भी नहीं जो सारी रात अपनी वैन में बैठा एक बिहारी हिंदू को फोन कर ढाढ़स बंधाता रहा। उन लोगों का जिक्र नहीं जिन्होंने घायलों को अपनी पीठ पर टांगकर अस्पताल पहुंचाया। उनका भी नहीं जिन्होंने पर्यटकों के लिए भोजन की व्यवस्था की। उन स्थानीय जनों का नाम नहीं आएगा जो आतंकी हमले से गमगीन हैं, सकते में हैं। चित्रा त्रिपाठी लाल चौक जाकर रिपोर्टिंग करना चाहती थीं। वह भी मुस्लिम समुदाय के बीच खड़ी होकर बार-बार कहती रहीं-'मारोगे, मार डालो।' इस उकसावे के बीच अगर कोई अप्रिय घटना घट जाती, तो कश्मीरी मुसलमानों को ही आतंकी साबित करने का नैरेटिव गढ़ा जाता। जबकि भीड़ 'गोदी मीडिया वापस जाओ' के नारे लगा रही थी, उस बीच 'मार डालो' कहने की क्या जरूरत थी? चुपचाप हट भी तो सकती थीं। लेकिन नहीं, उन्हें शेरनी बनना था, जो दिन-रात हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव गढ़ती रहती हैं। मुसलमानों को देशद्रोही, गद्दार बताती रहती हैं। आज तक कभी भी पर्यटकों पर इस तरह गोलियों की बौछार आतंकियों ने नहीं की। कश्मीरी मुसलमान दुकानदारों, घोड़े वालों, टैक्सी वालों, होटल मालिकों की कमाई का साधन पर्यटक ही तो होते हैं। यही तीन महीने उनकी रोज़ी-रोटी का सहारा होते हैं। बाकी समय तो फाकामस्ती में बीतते हैं। एक भी पर्यटक ऐसा नहीं मिलेगा जो कहे कि स्थानीय मुसलमानों ने सहयोग नहीं किया। घोड़े पर बैठे पर्यटक जब पहलगाम की वादियों में जा रहे थे, तब मालूम हुआ कि गोलियां तड़तड़ा रही हैं। आतंकी हमला हुआ है। तब घोड़े वाले दौड़ते हुए पर्यटकों को घाटी से दूर ले जाते हैं। सभी पर्यटक सदमे में थे। उनके साथ स्थानीय लोग भी सदमे में थे। आखिर ऐसी घटना पहली बार हुई कि पर्यटकों को निशाना बनाया गया। अब गोदी मीडिया नैरेटिव गढ़ने में लग गई है। हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत का ज़हर फैलाने का श्रेय गोदी मीडिया को ही जाता है। समूचा देश सदमे और आक्रोश में है। हर कोई चाहता है कि उन दरिंदों को कठोर से कठोर सजा दी जाए। माफी के मूड में न हिंदू है, न मुस्लिम। इससे बड़ी देशभक्ति का सबूत और क्या होगा कि संकट की इस घड़ी में देश की समूची जनता सरकार के साथ खड़ी है। सरकार ने फैसले लिए- सिंधु नदी का पानी रोक दिया। पाकिस्तानी वीजा पर आए लोगों को देश छोड़ने का आदेश दिया। पाकिस्तान से अपने लोगों को वापस आने को कहा। जो रिश्तेदारियों में शादी-ब्याह के मौके पर पाकिस्तान गए थे, वे लौटने लगे हैं। स्मरण रहे, मुसलमानों की रिश्तेदारियां दोनों तरफ हैं। जनता को इससे मतलब नहीं कि दोनों देशों के शासक क्या करते हैं। वे तो भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हैं। देश का हिंदू और मुसलमान- दोनों सरकार के साथ हैं। भारत द्वारा सिंधु समझौता तोड़ने पर पाकिस्तान भी शिमला समझौता तोड़ देगा। भारत की जनता चाहती है कि नरेंद्र मोदी स्वर्गीय इंदिरा गांधी जैसा साहस दिखाएं। रोज़-रोज की मार-काट अब जनता नहीं चाहती।

फाइनल फैसला चाहती है- इस पार या उस पार।सरकार ने तमाम विदेशी राजदूतों के साथ बैठक की है, तो निश्चित ही कोई बड़ा कदम उठाना चाहेगी। देश की जनता सरकार के साथ खड़ी है। सरकार यदि मुनासिब समझे, तो जिस तरह इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके इतिहास के साथ भूगोल भी बदल दिया था- वैसे ही सरकार पाकिस्तान के कब्जे से बलूचिस्तान को अलग कर दे। उसमें बलूचों का भी साथ मिलेगा। वे भी पाकिस्तान से मुक्त होना चाहते हैं, क्योंकि पाकिस्तान ने बंटवारे के बाद बलूचिस्तान पर जबरन कब्जा कर लिया था। सरकार अवश्य ही सोच-समझकर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ठोस कदम उठाएगी- इसका विश्वास है। सरकार को मालूम था कि इस समय घाटी में पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। राहुल गांधी ने पहले ही सरकार को चेताया था कि जम्मू-कश्मीर से सेना न हटाए, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। उन्हें पाकिस्तान पर तनिक भी भरोसा नहीं था। कब आतंकी हमला करवा दे।

सरकार ने अपनी चूक मान ली है। यह अच्छी बात है। सरकार भी जानती है कि जम्मू-कश्मीर अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है। पाकिस्तानी सेना हो या फिर सरकार, कश्मीर का मुद्दा वैश्विक मंचों पर उठता रहता है। भले ही उसे मात खानी पड़े, लेकिन सत्ता में बने रहने के लिए वह बार-बार कश्मीर पर दावा जताता रहेगा। उसकी काट सरकार को सोचनी पड़ेगी। कश्मीरी और देश के मुसलमान को गद्दार और देशद्रोही कहना बंद करना होगा। लेकिन,हिंदुओं का वोट लेने के लिए ऐसा होगा। इसमें संदेह है। बस, इस बार पाकिस्तान से आर-पार कर लेना है। पाकिस्तान से बलूचिस्तान अलग होते ही वह बेमौत मर जाएगा।

पेज 1 का शेष...

भारत-पाक तनाव...

आतंकियों ने पर्यटकों से धर्म और नाम पूछकर गोली चलाई। इस हमले में मरने वाले अधिकांश हिंदू धर्म से हैं।

भारत ने रूस के साथ निभाई शानदार दोस्ती

यूक्रेन से युद्ध के बीच जब पूरी दुनिया रूस के खिलाफ हो गई थी, तब भारत ने शानदार दोस्ती निभाई थी। इस जंग की वजह से रूस पर कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन भारत ने बिना किसी की परवाह करते हुए रूस का साथ दिया। भारत ने रूस से बड़े पैमाने पर क्रूड ऑयल का इंपोर्ट शुरू किया। इसे लेकर यूएस समेत कई देशों ने चेतावनी दी, लेकिन भारत ने किसी की बात नहीं मानी।

वक्फ एक्ट विवाद पर केंद्र...

और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद या राज्य बोर्डों में कोई नई नियुक्ति की जाएगी। अब इस मामले में अगली सुनवाई ५ मई को होगी, जहां मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ अंतरिम आदेशों पर विचार करेगी।

महिला उत्थान और टूटते बिखरते परिवार

सत्यशील अग्रवाल

प्राचीन काल से समूचे विश्व में ही पुरुष सत्तात्मक समाज का चलन रहा है। विश्व में जो देश विकसित होते गए वहां महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिया जाने लगा, उनके साथ भेदभाव काफी हद तक समाप्त कर दिया गया, परन्तुभारतीय समाज में विदेशी गुलामी के कारण कुछ अधिक ही (हजारों वर्षों तक) महिला समाज का शोषण किया जाता रहा है। अर्थात महिला को समाज में दोयम दर्जा दिया जाता रहा है, और महिलाओं के साथ हर क्षेत्र में भेदभाव पूर्ण व्यव्हार किया जाता रहा है। आजादी के पश्चात् देश के नवनिर्मित संविधान में महिलाओं को पूर्ण सम्मान और पुरुषों के समान अधिकार प्रदान किये गए, उन्हें शिक्षा का अधिकार ही नहीं बल्कि महिला शिक्षा को प्राथमिकता देने का प्रावधान किया गया। महिला समाज के लिए अभिशप्त अनेक कुरीतियों को हटाने के लिए कानून बनाने की व्यवस्था की गयी। तत्पश्चात सरकारी स्तर पर महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कानून बनाये, उन्हें दहेज उत्पीडन, दहेज प्रथा, विधवा विवाह, बाल विवाह जैसे अनेक प्रचलित कुप्रथाओं के उन्मूलन के लिए पर्याप्त कानून प्रदान किये गए।

महिला सुरक्षा के लिए भी कानूनी संरक्षण दिया गया। महिला समाज में जागृति पैदा करने के लिए अनेक महिला संगठनों का गठन हुआ। परिणाम स्वरूप आज महिलाओं को शोषण से मुक्ति मिली उन्हें अपने उत्थान के अभूतपूर्व अवसर प्राप्त हुए। यद्यपि कई क्षेत्रों में अभी भी काफी कार्य होना बाकी है। विशेषकर देहाती क्षेत्रों में शिक्षा और महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच में विशेष बदलाव देखने को नहीं मिला। विकास के दौर में जैसे जैसे इन्सान की महत्वाकांक्षाएं बढती गयी देहातों में परम्परागत कृषि उद्योग,या व्यापार से गुजारा मुश्किल होता गया। युवा अपने रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करने लगे और देश में संयुक्त परिवार टूटने लगे और आज संयुक्त परिवार बहुत ही सीमित हो चुके हैं। आधुनिक विकास और बढती आबादी को इसका जिम्मेदार माना जा सकता है। दूसरी ओर महिलाएं भी सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर उभर रही हैं। आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के कंधे से कन्धा मिला चलने में सक्षम हो रही है। महिलाओं ने रिक्शा, टैक्सी और ट्रेन चलाने से लेकर वायु यान उड़ाने तक और शिक्षा से लेकर देश की सेना, पुलिस जैसे कष्टसाध्य कार्यों में भी अपनी योग्यता दिखाई है। देश के सर्वोच्च पदों अर्थात राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री या न्यायाधीश जैसे अति सम्मानित पदों को सुशोभित किया है। देश और समाज के लिए गर्व की बात है कि देश की आधी आबादी (महिला समाज) देश की उन्नति में बराबर का योगदान कर रही है। हजारों वर्षों से चला आ रहा नारी शोषण धीरे धीरे घट रहा है। यद्यपि अभी भी पुरुष मानसिकता में पर्याप्त बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्हें महिलाओं को सम्मान देना ही होगा, उनके प्रति अपनी दुराचार की प्रवृति से मुक्त होना होगा। उन्हें भोग विलास की वस्तु समझने की प्रवृति को त्यागना होगा,अन्यथा उनके लिए आगामी जीवन असहज होने वाला है। महिलाओं का उत्थान सभ्य मानव समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है, परन्तु महिलाओं के उत्थान के परिणाम स्वरूप संयुक्त परिवार से बिखर कर बने एकाकी परिवार भी टूटने के कगार पर आने लगे हैं। महिलाओं में व्याप्त पुरुषों से संघर्ष की प्रवृति के कारण पति पत्नी में आपसी सामंजस्य का अभाव होने लगा है। पति और पत्नी दोनों अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण बच्चों को माता पिता का स्नेह, उनका सानिध्य मिलना दुष्कर होता जा रहा है। अब बच्चों को भावनात्मक सहयोग उनके सहपाठियों से प्राप्त होता है।

अतः अब वे अपने मित्रों के प्रति अधिक लगाव रखते हैं और माता पिता को सिर्फ आर्थिक संरक्षण का स्रोत मानते हैं। माता पिता आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के कारण उनमें आपस में प्रति दिन मनमुटाव भी सामने आता है, जिससे घर के बच्चे प्रभावित होते हैं। कभी कभी तो माता पिता की जंग तलाक तक पहुँच जाती है और बच्चों का भविष्य अधर में लटक जाता है। तलाक की स्थिति आने पर बच्चे को माता या पिता किसी एक का ही प्यार मिल पाता है। जिससे बच्चे के विकास पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। बच्चे में असुरक्षा का भाव पैदा हो जाता है और वह अपने लक्ष्य प्राप्त कर पाने में पीछे रह जाता है। इस प्रकार से एकाकी परिवार भी विघटन की ओर अग्रसर है। उक्त लेख से मेरा तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसरों को त्याग देना चाहिए या उन्हें विकसित होने का अवसर प्राप्त नहीं होना चाहिए। मेरे विचार से परिवार को, परिवार की गरिमा को एवं परिवार के बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आपसी सामंजस्य के अधिकतम प्रयास करते रहना चाहिए। बच्चों के चरित्र निर्माण की जिम्मेदारी जो कभी घर के बुजुर्गों को हुआ करती थी, अब घर में माता पिता पर ही बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास की जिम्मेदारी है। अपने बच्चों को अच्छा नागरिक बनाना आपका कर्तव्य है। उनके लिए सिर्फ धन उपलब्ध करा देने से आपकी जिम्मेदारी पूर्ण नहीं होती। इस पावन कर्तव्य के समक्ष अपने कैरियर को दूसरे स्थान पर रखना होगा। अतः जब तक बच्चे समझदार न हो जाएँ माता या पिता में किसी एक को अपने कैरियर को अल्प विराम देना होगा ताकि बच्चे को विकास के लिए समुचित वातावरण मिल सके और वह समाज का अच्छा नागरिक बन सके। यदि बच्चों का चारित्रिक विकास उचित दिशा में नहीं होता है, तो भावी नौजवान नशेबाज या अपराधिक प्रवृति के साथ देश की कानून व्यवस्था की चुनौती बन कर उभरेंगे और देश के विकास में बाधक बनेंगे,जिसके लिए आपको ही जिम्मेदार माना जायेगा और आपका अपना भविष्य भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पायेगा।

वास्तु के अनुसार, तुलसी का पौधा गुरुवार व शुक्रवार को लगाना शुभ होता है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, तुलसी भगवान विष्णु को अतिप्रिय हैं। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। तुलसी को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित है।

जानिए ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री जी से आज का राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र

9594318403/9820819501

मेष: कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

वृषभ: कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

मिथुन: किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

कर्क: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या: शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

तुला: शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक: भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है।

धनु: प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है।

मकर: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ: कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। नकारात्मकता हावी रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन: कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

आतंक के आका को बिहार से चेतावनी: किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे आतंकवादी

कुमार कृष्णन

पहलगांव हमले के जख्मों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बिहार दौरा सारे देश में चर्चित हो रहा है। जब पूरे देश से आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग उठ रही है, तब प्रधानमंत्री पर इस दौरे से राजनीतिक लाभ लेने के आरोप भी लगने लगे हैं। बिहार के मधुबनी के झंझारपुर की लोहना पंचायत में 'पंचायती राज दिवस' पर आयोजित आम सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आतंकियों को यह कहकर 'मिट्टी में मिलाने' की धमकी दी कि 'उन्होंने सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं वरन भारत पर हमला किया है।' प्रधानमंत्री ने कहा-२२ अप्रैल को, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में, आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है, कोटि-कोटि देशवासी दुखी है।

सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों, इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है। इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया, किसी ने अपना जीवन-साथी खोया है। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ा बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था, कोई यहां बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है, हमारा आक्रोश एक जैसा है। ये हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को, और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिल करके रहेगी।

अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। १४० करोड़ भारतीयों की इच्छा-शक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी। इस राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसलिये मोदी की इस सभा को चुनाव प्रचार का आगाज़ भी माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सभा से बिहार की १३,४८० करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने बिहार के मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को मान्यता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार भी प्रदान किए। वहीं प्रधानमंत्री ने बिहार के गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग ३४० करोड़ रुपये की लागत से रेल अनलोडिंग सुविधा वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखी। इससे आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने और थोक एलपीजी परिवहन की दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी। क्षेत्र में बिजली की आधारभूत संरचना को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री ने १,१७० करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी और पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत बिहार में बिजली क्षेत्र में ५,०३० करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। देश भर में रेल संपर्क बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री ने सहरसा और मुंबई के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस, जयनगर और पटना के बीच नमो भारत रैपिड रेल और पिपरा और सहरसा तथा सहरसा और समस्तीपुर के बीच ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

उन्होंने सुपौल पिपरा रेल लाइन, हसनपुर बिथान रेल लाइन और छपरा और बगहा में २-लेन वाले दो रेल ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन किया। उन्होंने खगड़िया-अलौली रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया। दावा है कि इन परियोजनाओं से संपर्क में सुधार होगा और क्षेत्र कासमग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा। प्रधानमंत्री ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एन-आरएलएम) के अंतर्गत बिहार के २ लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के अंतर्गत लगभग ९३० करोड़ रुपये का लाभ वितरित किया। प्रधानमंत्री ने पीएमएवाई-ग्रामीण के १५ लाख नए लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे और देश भर के १० लाख पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को किस्तें जारी कीं। उन्होंने बिहार में १ लाख पीएमएवाई-जी और ५४,००० पीएमएवाई-यू घरों में गृह प्रवेश के अवसर पर कुछ लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपीं। बेशक यह सभा विकास कार्यों के शिलान्यास-उद्घाटन के लिये आयोजित की गयी थी और पहले से तय थी परन्तु पहलगाम हादसे के बाद भी इसे रद्द न करने से बात साफ़ हो गयी थी कि प्रधानमंत्री इस मंच से जनता के सामने अपनी बात रखेगें। सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर लौटे प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली हवाईअड्डे पर ही बैठक की और पाकिस्तान के खिलाफ़ कई फ़ैसले लिये लेकिन इसे लेकर न तो कोई अधिकृत बयान दिया, न ही कोई जनता को संदेश। सोशल मीडिया में बुधवार से ही यह बात घूमने लगी थी कि 'प्रधानमंत्री पाकिस्तान को कड़ा संदेश बिहार की धरती से देंगे।' यह सचमुच आश्चर्यजनक था कि अंतरराष्ट्रीय महत्व की इस बड़ी घटना के बारे में कुछ कहने के लिये उन्होंने देश की राजधानी दिल्ली को नहीं चुना, न ही संसद में या सर्वदलीय बैठक में चेतावनी देना पसंद किया। जबकि रेडियो- टीवी पर वे देशवासियों को सम्बोधित कर सकते थे। इन अनुमानों को मोदीजी ने गलत साबित नहीं होने दिया। सभा में उन्होंने आतंकियों के हाथों मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिये सभी से दो मिनट का मौन धारण कराया तथा उनके परिजनों को यह कहकर सांत्वना दी कि 'देश उनके साथ है।' फिर इस घटना का ज़िक्र करते हुए आतंकियों को चेतावनी दी कि 'उनकी बची-खुची ज़मीन भी खत्म कर दी जायेगी।' उन्होंने ऐलान किया कि 'अब उन्हें मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। जिन आतंकियों ने देश की आत्मा को चोट पहुंचाई है उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा। देश भर से इस घटना को लेकर समर्थन मांगने की कोशिश में मोदीजी ने इस बात को रेखांकित किया कि 'हमले में किसी ने बेटा खोया, तो किसी ने भाई। किसी ने अपना जीवन साथी खोया है। उनमें कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था तो कोई यहां बिहार का लाल था।

भावुकता की रौ में बहे मोदीजी दुख और गुस्सा दोनों का इज़हार करते नज़र आये। उन्होंने कहा कि 'पहलगाम में आतंकियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है उससे करोड़ों देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ है। उन्होंने कहा-'मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया को कहना चाहता हूं कि भारत सभी आतंकियों की पहचान कर उन्हें सजा देगी। इस तरह के हमले से आतंकी देश के मनोबल को नहीं तोड़ सकेंगे। आतंकी हमले के बाद अब न्याय दिलाने के लिए भारत सब कुछ करेगा। जो लोग मानवता में विश्वास करते हैं वे हमारे साथ हैं। मोदीजी ने आतंकी घटना के लिये सीधे-सीधे पाकिस्तान का नाम तो नहीं लिया लेकिन यह ज़रूर कहा कि '१४० करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति 'आतंक के आकाओं' की कमर तोड़ देगी। फिर भी, उनकी रैली में 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए गए जो इस बात का इशारा है कि हमलावरों का मददगार कौन है या कम से कम किसे समझा जा रहा है।मधुबनी की सभा से यह संकेत निकला है कि भारतीय जनता पाटी को बिहार चुनाव के लिये एक मुद्दा मिल गया है। भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने आज बिहार से एक कड़ा संदेश दिया है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने सख्त कदम उठाया है। उन्होंने पाकिस्तान की पानी तक पहुंच बंद कर दी है। पाकिस्तान अब प्यासा रहेगा और परेशान रहेगा, जिस तरह से उन्होंने हमारे लोगों के साथ खूनी खेल खेला है। उसी तरह हम पाकिस्तानियों को पानी न देकर उन्हें तड़पाएंगे। सीमा सील कर दी गई है और पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। आज बिहार से जो बात निकली है, वो दूर तक जाएगी।' शहनवाज ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा

है कि ऐसी सजा देंगे, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। साथ ही आतंकवादियों को नेस्तनाबूद किया जाएगा और प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान से इस बात को साफ कर दिया है। कश्मीर आतंकी हमले को भारतीय मुसलमानों से जोड़ना एक गंभीर साजिश है।

पहलगाम में जिन्होंने ये हमला किया है, वो पाकिस्तानी थे और भारत के अंदर १४० करोड़ देशवासी इस हमले के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हैं। पाकिस्तान ने संदेश दिया कि वो हमें धर्म के नाम पर बांट देगा, लेकिन मैं बता देना चाहता हूं कि हम धर्म के नाम पर न बंटे हैं और न बंटेंगे। शहनवाज हुसैन ने कहा, 'हमारी पूजा पद्धति भले ही अलग-अलग हो, लेकिन हम सभी एक साथ खड़े हैं। वहीं बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पहलगाम आतंकी हमले में इंटेलिजेंस को असफल बताया। उन्होंने सरकार से सवाल पूछा कि पहलगाम हाई सिक्योरिटी जोन में है और अगर हाई सिक्योरिटी जोन में आतंकवादी २० मनिट रहते हैं तो पर्यटकों की सुरक्षा का इंतजाम क्यों नहीं कएि गए? वह हाई सिक्योरिटी जोन है। अब तक कई आतंकी घटनाएं हुई हैं, कई लोगों की जानें गई हैं, इस लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देश की सभी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ जांच एजेंसियां लगाई जाती हैं, इन आतंकियों के खिलाफ कोई एजेंसी क्यों नहीं लगती? इंटेलिजेंस फेल है। इस बड़ी लापरवाही की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सरहद पार से आतंकी आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने बिहार के श्रमिकों की हत्या की, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? सरहद पार से आतंकी देश में आ रहे हैं, यह देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है और बहुत बड़ा सिक्योरिटी लैप्स है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पहलगाम की घटना को लेकर भाजपा और कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से देश, लोकतंत्र और मानवता के लिए घातक है, जिसकी महागठबंधन निंदा करता है। कुल मिलाकर बिहार में पहलगाम चुनावी मुद्दा तो बनाया जा रहा है लेकिन प्रश्न यही है कि क्या यह मुद्दा बिहार में छह महीने तक जीवित रहेगा और इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि क्या पहलगाम के पीड़ितों को न्याय मिल पाएगा और क्रूरतम आतंकवाद की ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति अब नहीं होगी?

कुंभ मेला 2027 की तैयारी: शिर्डी एयरपोर्ट पर दो हेलीपैड और आठ पार्किंग स्थल के निर्माण को मंजूरी

संवाददाता

मुंबई/नासिक। आगामी नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने शिर्डी हवाई अड्डे के विस्तार और आधुनिकीकरण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र हवाई अड्डा प्राधिकरण की ९१वीं बैठक में यह निर्णय लिया, जिसमें शिर्डी एयरपोर्ट पर दो हेलीपैड, आठ वाहन पार्किंग स्थल और टर्मिनल के आधुनिकीकरण का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि नासिक एयरपोर्ट की सीमित क्षमता और कुंभ मेले के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए शिर्डी एयरपोर्ट को एक वैकल्पिक और सशक्त हवाई सुविधा के रूप में विकसित किया जा रहा है। हवाई मार्ग से श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने हेतु कार्गो टर्मिनल का निर्माण भी प्रगति पर है।

अमरावती रनवे विस्तार और राजस्व योजना पर बल

मुख्यमंत्री ने अमरावती एयरपोर्ट के रनवे विस्तार की योजना शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमरावती क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आई है, इसलिए एयरपोर्ट से जुड़ी राजस्व अर्जन की योजनाओं पर भी काम किया जाएगा।

लातूर, कराड, चंद्रपुर और गढ़चिरोली एयरपोर्ट पर भी फोकस

लातूर एयरपोर्ट को बीड़ और धाराशिव जिलों से जोड़ते हुए इसके शीघ्र विकास की जरूरत बताई गई। कराड में नाइट लैंडिंग की सुविधा विकसित करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे वहां की विमानन गतिविधियों को बढ़ावा मिले। चंद्रपुर एयरपोर्ट पर चार्टर्ड विमानों की सुविधा हेतु रनवे विस्तार और गढ़चिरोली में नए एयरपोर्ट के लिए वैकल्पिक स्थल तलाशने की बात कही गई। बैठक में रत्नागिरी, अकोला, कोल्हापुर, नांदेड और धुले जैसे हवाई अड्डों की प्रगति की समीक्षा की गई। क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS) के तहत राज्य के १६ मार्गों पर विमान सेवाएं चालू हैं। उड़ान योजना (UDAN) के तहत ८ नए प्रस्ताव केंद्र को भेजे गए हैं। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, प्राधिकरण की उपाध्यक्ष स्वाति पांडे, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ. पी. गुप्ता, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय सेठी, एमआईडीसी के सीईओ पी. वेलरासु सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बदलापुर हिरासत मौत मामला: बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश की अवहेलना पर जताई कड़ी नाराजगी

संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी की हिरासत में मौत के संबंध में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार और पुलिस प्रशासन पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने इसे 'बेशर्म उल्लंघन' बताते हुए चेतावनी दी कि यह आचरण आपराधिक अवमानना के दायरे में आता है और यदि पालन नहीं हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और नीला गोखले की पीठ ने ७ अप्रैल को संयुक्त पुलिस आयुक्त(अपराध) लखमी गौतम को एसआईटी गठित करने और दो दिनों के भीतर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। साथ ही, जांच कर रही राज्य सीआईडी को सभी दस्तावेज सौंपने का भी आदेश दिया गया था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान गौतम ने अदालत को सूचित किया कि एसआईटी का गठन कर लिया गया है, लेकिन कागजात मिलने का इंतजार है। इस पर कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह अदालत के आदेश का बेशर्म उल्लंघन है। यदि आदेशों का पालन नहीं किया गया तो यह कानून के शासन को नष्ट कर देगा। सीआईडी अधिकारी प्रशांत वाघुंडे ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने दस्तावेज नहीं सौंपे। इसके बाद अदालत ने अपर पुलिस महानिदेशक प्रशांत बर्दे को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तलब किया। बर्दे ने आश्वस्त किया कि शाम तक सारे दस्तावेज सौंप दिए जाएंगे, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और अगली सुनवाई जल्द होने की संभावना है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक शीर्ष अदालत द्वारा कोई रोक नहीं लगाई जाती, तब तक राज्य सरकार हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए बाध्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को मारा तमाचा: सीएम देवेंद्र फडणवीस

संवाददाता

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके खिलाफ दायर वीडी सावरकर मानहानि मामले में उत्तर प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। वीर सावरकर के अपमान मामले में लोकसभा के प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए नसीहत दी। वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले की :सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि वीर सावरकर जैसे लोगों ने हमें आजादी दिलवाई थी। राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए मामले की सुनवाई कर रही बेंच ने कहा कि भविष्य में ऐसी टिप्पणी दोबारा न करें, अन्यथा कोर्ट स्वतः संज्ञान ले सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले सीएम फडणवीस

आज सुप्रीम कोर्ट ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी का अपमान करने वाले राहुल गांधी को जिस प्रकार से झन्नाटेदार चाटा मारा है। इसके लिए मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते है। क्योंकि लगातार राहुल गांधी स्वतंत्र संग्राम सेनानियों का अपमान करते रहे है। और जिस भाषा का इस्तेमाल किया है इससे देश बहुत आहत है। मैं अपोक्षा करता हूं अब लाल संविधान लेकर घूमने वाले राहुल गांधी कम-से-कम अब सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे और स्वातंत्र्यवीर सावरकर के खिलाफ जो उल्टी सीधी बाते करते है वे बंद करेंगे।

'हेल्थकेयर रिस्पॉन्स ट्रैकर' लागू करने की तैयारी में सरकार 'आपला दवाखाना' क्लीनिक के उद्घाटन पर अजित पवार ने दी जानकारी

संवाददाता

पुणे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को एक गर्भवती महिला की इलाज के अभाव में हुई मौत को 'दिल दहला देने वाली' घटना करार दिया और कहा कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की गंभीर खामियों और असंवेदनशीलता को उजागर करती है। यह टिप्पणी उन्होंने पुणे में राज्य परिवार कल्याण भवन एवं प्रशिक्षण केंद्र के शिलान्यास और ४३ नए 'आपला दवाखाना' क्लीनिकों के उद्घाटन अवसर पर की। घटना का ज़िक्र करते हुए पवार ने बताया कि तनीषा भिसे, जो भाजपा एमएलसी अमित गोरखे के निजी सचिव की पत्नी थीं, को दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल ने १० लाख रुपये जमा न कर पाने पर भर्ती करने से इनकार कर दिया था। बाद में उन्हें एक अन्य अस्पताल में जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अपनी जान गंवानी पड़ी।

सरकार की प्रतिक्रिया और भविष्य की योजना

पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने इस गंभीर मामले का संज्ञान लिया है और जांच जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस नीति लाई जाएगी। राज्य सरकार 'इनकार नहीं करने की नीति' (No Refusal Policy) लाने की तैयारी कर रही है,

जिससे किसी भी आपात स्थिति में किसी भी अस्पताल को मरीज का इलाज करने से मना करने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, प्राइवेट अस्पतालों पर सख्त नियम लागू करने की योजना है।

'हेल्थकेयर रिस्पॉन्स ट्रैकर' और त्वरित सहायता की व्यवस्था

पवार ने यह भी बताया कि सरकार 'हेल्थकेयर रिस्पॉन्स ट्रैकर' और एक समर्पित हेल्पलाइन शुरू करने की योजना बना रही है, जिससे आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत सहायता मिल सके। एक विशेष रैपिड रिस्पॉन्स टीम भी गठित की जाएगी। अंत में, उन्होंने कहा कि 'स्वास्थ्य सेवा केवल पेशा नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है', और सरकार इसे सेवा भाव से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुणे रेलवे स्टेशन से 8 महीने के बच्चे के अपहरण का मामला 27 दिनों में सुलझा, अहमदाबाद से मिले सुराग

संवाददाता

पुणे। पुणे रेलवे स्टेशन परिसर में हुए ८ महीने के बच्चे के अपहरण के एक चौंकाने वाले मामले को लोहमार्ग पुलिस ने २७ दिनों की अथक जांच के बाद सुलझा लिया। यह मामला उस समय सामने आया जब चित्रकूट से पुणे आई एक महिला ने अपनी पारिवारिक समस्याओं से तंग आकर बच्चे के साथ नया जीवन शुरू करने का फैसला किया था। पीड़ित महिला अपने कथित होने वाले पति के साथ रेलवे स्टेशन पर थी, जहां वे एक अजनबी दंपति से मिले। बातचीत के दौरान, महिला ने भोजन मंगाने के लिए अपने साथी को भेजा और तब तक बच्चे की देखभाल के लिए दंपति को कहकर चली गई। वापस लौटने पर, महिला ने पाया कि दंपति और उसका बच्चा दोनों गायब थे। यह घटना लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के ठीक पास हुई।

पुलिस की तकनीकी और जमीनी जांच

शिकायत दर्ज होते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद खोपिकर के नेतृत्व में जांच शुरू हुई। ७१ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर, दो संदिग्धों की पहचान हुई—एक पुरुष, जिसने सैन्य पैटर्न की ट्रैक पैंट और बाघ के लोगो वाली काली जैकेट पहनी थी। पुलिस ने संदिग्धों को एसटी स्टैंड के पास रिक्शा में बच्चे को ले जाते हुए देखा। रिक्शा की पहचान करने के लिए ६०-७० रिक्शा चालकों से पूछताछ की गई, जिसमें से एक चालक ने संदिग्धों को पहचान लिया। जैकेट की जांच से चाकन की एक सुरक्षा कंपनी का नाम सामने आया, जिसके ६,००० कर्मचारियों की छानबीन की गई।

अहमदाबाद से मिला सुराग

जांच आगे बढ़ी और स्वर्गेट बस स्टैंड के फुटेज में पाया गया कि आरोपी वहां से पाषाण और फिर सुसगांव गए थे। इस दौरान महिला दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सकी, तो पुलिस ने चित्रकूट अस्पताल से जन्म प्रमाण प्राप्त कर बच्चे की पहचान की पुष्टि की। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नंबरों की सहायता से पता चला कि आरोपी लोनावला से अहमदाबाद तक ट्रेन से गए थे, जहां उन्हें एक झोपड़ी में छिपे हुए पाया गया। गिरफ्तार होने पर पूछताछ में खुलासा हुआ कि उन्होंने इससे पहले भी ससून अस्पताल से बच्चे चुराने की कोशिशें की थीं। फिलहाल, महिला संदिग्ध जमानत पर रिहा है और मामला अभी खुला है। पुलिस आगे की जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह का संबंध शिशु तस्करी से जुड़े किसी बड़े नेटवर्क से है।

जुहू में संपत्ति विवाद ने लिया खौफनाक मोड़, भाई ने बहन की चाकू मारकर की हत्या

संवाददाता

मुंबई। जुहू के लल्लूभाई पार्क इलाके में संपत्ति को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद ने सोमवार को एक दर्दनाक मोड़ ले लिया, जब ४८ वर्षीय आशीष रघुनाथ करंदीकर ने अपनी बहन नव्या किरण पैंगणकर (४५) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब दोनों के बीच पुनर्विकास से पूर्व संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद और बढ़ गया। परिवार एक पुरानी चॉल में रहता था, जिसकी इमारत का जल्द ही पुनर्विकास होना था। पिता की मृत्यु के बाद विरासत को लेकर विवाद तेज हो गया, जबकि उनकी मां अभी जीवित हैं। घटना वाले दिन भाई-बहन के बीच तेज बहस हुई, जिसके बाद आशीष ने गुस्से में आकर रसोई में रखा चाकू उठाया और नव्या पर कई बार वार किया। नव्या की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिल ते ही जुहू पुलिस मौके पर पहुंची, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और आरोपी आशीष करंदीकर को भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२ (हत्या) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

बिल्डर गुरुनाथ चिंचकर ने खुद को मारी गोली बेटों के खिलाफ ड्रग केस के चलते थे तनाव में

संवाददाता

नवी मुंबई। बेलापुर इलाके में शुक्रवार, २५ अप्रैल को एक दर्दनाक घटना में जाने-माने डेवलपर गुरुनाथ चिंचकर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना किले गांव स्थित एक नवी मुंबई निवासी के घर में घटी, जहां चिंचकर ने खुद को बंदूक से गोली मार ली। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने चिंचकर को उसके बेटों के खिलाफ दर्ज ड्रग्स तस्करी मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले एनसीबी ने मुंबई में कई करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की थी, और इसी मामले में चिंचकर के दोनों बेटों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद चिंचकर तनाव में थे और मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

डिप्रेशन में आने के चलते उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया। इससे पहले ९ अप्रैल को भी नवी मुंबई के चेंबूर इलाके में एक डेवलपर पर जानलेवा हमल ा हुआ था। बाइक सवार दो हमलावरों ने डेवलपर सदरुद्दीन खान की कार पर गोलीबारी की थी। उस वक्त खान अपनी लैंड रोवर कार में सवार थे और पनवेल जा रहे थे। हमलावरों ने डायमंड गार्डन ट्रैफिक जंक्शन पर रुकते ही खान की कार पर गोलियां चलाईं और फिर मैत्री पार्क तक एक किलोमीटर तक पीछा कर घटनास्थल से फरार हो गए। दोनों घटनाएं रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रही हैं। पुलिस ने दोनों मामलों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और यह जानने की कोशिश कर रही है कि कहीं इन घटनाओं के पीछे किसी संगठित गिरोह या कारोबारी विवाद की भूमिका तो नहीं है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने पोप बेनेडिक्ट सोलहवें को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को मुंबई के आर्कबिशप हाउस में आयोजित प्रार्थना सभा में रोमन कैथोलिक चर्च के पूर्व प्रमुख पोप बेनेडिक्ट सोलहवें को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने वेटिकन सिटी के दिवंगत संप्रभु प्रमुख पोप बेनेडिक्ट के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और कुछ क्षण मौन खड़े रहे। इस अवसर पर मुंबई के आर्कबिशप जॉन रोड्रिग्स, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि और मुंबई में विभिन्न देशों के महावाणिज्यदूत उपस्थित थे। सभा में धार्मिक सौहार्द और विश्व शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

आयुक्त सौरभ राव ने मानसून से पहले ठाणे में बुनियादी ढांचे का किया निरीक्षण, 20 मई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

संवाददाता

मुंबई। मानसून के आगमन से पहले, ठाणे नगर आयुक्त सौरभ राव ने शहर भर में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निरीक्षण किया, जिनमें घोड़बंदर रोड, जल निकासी व्यवस्था और चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य शामिल हैं। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) की इस पहल का उद्देश्य वर्षा ऋतु के दौरान नागरिकों के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है।

अपने दौरे के दौरान राव ने परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को २० मई तक सभी आवश्यक कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानसून पूर्व अधूरे कार्यों को बारिश के बाद ही शुरू किया जाएगा, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर आयुक्त ने विशेष रूप से जलभराव की समस्या, ट्रैफिक जाम और मौसमी व्यवधानों को रोकने की दिशा में प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान यातायात का सुचारू संचालन प्राथमिकता में रहेगा। टीएमसी द्वारा साझा की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया, 'नगर आयुक्त सौरभ राव ने घोड़बंदर रोड सहित विभिन्न सड़कों, जल निकासी प्रणाली और मेट्रो कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन कार्यों को समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। टीएमसी अधिकारियों के अनुसार, समय पर निरीक्षण और योजनाबद्ध निष्पादन मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान टीएमसी ने निरीक्षण की तस्वीरें भी साझा कीं, जो इस अभियान की पारदर्शिता और गंभीरता को दर्शाती हैं।

डीपीएस स्कूल में 4 वर्षीय छात्र से कथित यौन शोषण, बस ड्राइवर गिरफ्तार

संवाददाता

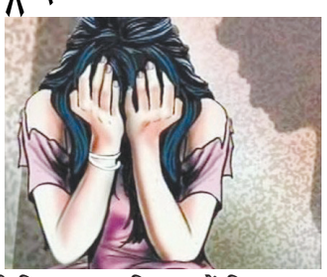

नवी मुंबई। नेरुल स्थित डीपीएस स्कूल में एक चार वर्षीय छात्र के साथ कथित यौन शोषण के मामले में एनआरआई तटीय पुलिस ने २५ वर्षीय बस ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुजीत दास के रूप में की गई है, जिसे गुरुवार रात पीड़ित के माता-पिता की शिकायत पर हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त (जोन I) पंकज दहाणे ने जानकारी दी कि, 'माता-पिता द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अब हम यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना कहां और किस परिस्थिति में हुई। शिकायत के अनुसार, बच्चा गुरुवार को स्कूल से घर लौटने के बाद निजी अंग में असुविधा की शिकायत करने लगा। जब माता-पिता ने उससे विस्तार से पूछा, तो उसने 'बस अंकल' का उल्लेख किया। इसके बाद परिजनों ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। सीसीटीवी फुटेज से मिली जानकारी के अनुसार, छात्र को रोज की तरह स्कूल बस की आया द्वारा बस में चढ़ाया गया था और बस में एक महिला शिक्षिका भी मौजूद थीं। बस ठेकेदार संतोष शेट्टी ने बताया कि, पुलिस को पिछले एक सप्ताह की सीसीटीवी फुटेज दी गई है, जिसकी बारीकी से जांच की गई, लेकिन उसमें कोई आपत्तिजनक गतिविधि सामने नहीं आई है।

ड्राइवर हमेशा स्टीयरिंग के पीछे ही देखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी ड्राइवर पिछले चार वर्षों से उनके साथ कार्यरत है। शेट्टी ने कहा, 'अगर कोई अपराध हुआ है तो बच्चे को न्याय मिलना चाहिए, लेकिन साथ ही किसी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।' पुलिस ने यह भी बताया कि शिकायतकर्ता ने पेंसिल के इस्तेमाल से कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसकी चिकित्सकीय पुष्टि और जांच की जा रही है। इसके साथ ही घटना स्थल की भी जांच हो रही है, क्योंकि स्कूल परिसर में बस ड्राइवरों को प्रवेश की अनुमति नहीं है और बस के अंदर लगे दोनों सीसीटीवी कैमरों में भी ऐसा कुछ नहीं दिखा है। इस मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के कार्यकर्ताओं ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन कर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई और जवाबदेही की मांग की।

Sensex tanks 1,000 points; Nifty drops below 24,000-level

Mumbai: Equity benchmark indices Sensex and Nifty declined sharply in morning trade on Friday dragged lower by Axis Bank and growing concerns over geopolitical tensions following the terror attack at Pahalgam, in Jammu & Kashmir.

Wiping out all early gains, the 30-share BSE benchmark gauge tanked 1,004.04 points to 78,797.39 in late morning trade. The NSE Nifty dropped 338.1 points to 23,908.60.

Experts said worries over growing geopolitical tensions amid Tuesday's terror attack weighed on market sentiment. From the Sensex firms, Axis Bank declined 4.50 per cent after the country's third largest private sector lender reported a marginal decline in March quarter profit to

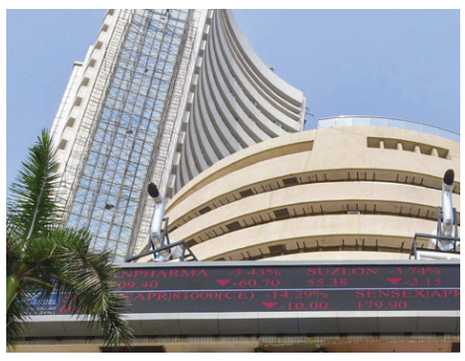

Rs 7,117 crore, from Rs 7,130 crore in the year-ago period. Adani Ports, Bajaj Finserv, State Bank of India, Power Grid, Eternal, Bajaj Finance, NTPC, Tata Motors, Mahindra & Mahindra and Tata Steel were also among the laggards. However, Infosys and Tata Consultancy Services were trading higher. There are tailwinds and headwinds for the market now.

A strong tailwind is the sustained FII buying which has touched a cumulative amount of Rs 29,513 crore during the last 7 days, VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said.

He further added that another tailwind is US Treasury Secretary Scot Bessent's remark that "India is expected to strike the first bilateral trade deal with the US." "The potential headwind looming large on the horizon is the uncertainty regarding India's response to the terror attack and its consequences," Vijayakumar said.

In Asian markets, South Korea's Kospi index, Tokyo's Nikkei 225, Shanghai SSE Composite and Hong Kong's Hang Seng were trading in the positive territory.

'Have been doing US dirty work for 30 years', Pakistan Defence Minister on funding terror

New Delhi: Pakistan's Defence Minister Khawaja Asif has finally accepted that his country is supporting and funding the terrorist organisations for nearly 30 decades. Khawaja Asif has admitted to the same in an interview with US news channel Sky News amid the tensions between the two neighbours following killing of 26 tourists in Pahalgam in Jammu and Kashmir.

According to Pakistan Defence Minister, his country has been doing the dirty work of funding terrorists on behalf of the United States for over three decades, said a report in Moneycontrol citing Sky News.

"Pakistan has been doing this dirty work for 30 years for United States and West including Britain," Khwaja Asif said on a question about funding terrorism. He also admitted that indulging in such activities was a mistake and Pakistan has suffered on this account. "If we had not joined the war against Soviet Union and later on the war after 9/11, then Pakistan's track record was unimpeachable," he added.

The Pakistan Defence Minister also lashed at US for blaming it for terror activities saying, "It is convenient for big powers to blame Pakistan that fought with them against earstwhile Soviet Union in the 1980s. All these terrorists of today were whining and dining in Washington," the report said quoting Khwaja Asif. Khawaja Asif also accused the US of using 'terrorists' to fight its war against Soviet Union in Afghanistan during the 1980s. In the view of multiple terror attacks on Indian soil in the last several decades, New Delhi has accused Islamabad of funding and supporting terrorism using its terror proxies especially in fomenting unrest in Jammu and Kashmir.

Important that India stands united against terror: Rahul in Srinagar

Srinagar: Leader of Opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi Friday said the idea behind the Pahalgam terror attack was to divide the people of the country and it was imperative that India stood united to defeat terrorism once and for all.

"It is a terrible tragedy and I came here to get a sense of what is going on and to help. The entire people of Jammu and Kashmir have condemned this terrible act. They have fully supported the nation," Gandhi told reporters here.

The Congress leader, who arrived here Friday morning, visited the Army's 92 Base hospital at Badamibagh Cantonment to inquire about the injured.

"I met one of the injured, I could not meet the others because they have gone back. My love and affection to everybody who has lost family members. I want everybody to know that the whole nation stands together as one," he said.

Referring to an all-party meeting that took place in Delhi on Thursday, Gandhi asserted that a united opposition condemned the terror attack and is behind the government.

"The idea behind what has happened

is to divide society, is to make brother fight brother and it is very important that every single Indian stands united, stands together so that we can defeat what the terrorists were trying to do," Gandhi said.

The Congress leader also met J-K Lieutenant Governor Manoj Sinha and Chief Minister Omar Abdullah and the two briefed him about what happened.

"I assured them both that I and our party are going to support them," he said.

On the alleged harassment of Kashmiris elsewhere in the country, Gandhi said, "It is sad to see that some people are attacking my brothers and sisters from Kashmir … I think it is very important that all of us stand together, stand united and fight this nasty action that has been taken and defeat terrorism once and for all."

Getting hate and abuse for inviting Pak's Nadeem to NC Classic: Neeraj Chopra

New Delhi: Indian javelin throw star Neeraj Chopra on Friday said he has been bombarded with "hate and abuse" for inviting Pakistan's Arshad Nadeem to next month's NC Classic in Bengaluru, clarifying that the Olympic champion's presence was "completely out of question" in the aftermath of the Pahalgam terror attack. The Tokyo Olympics gold-medallist and Paris Games silver-winning star from Haryana said he was deeply hurt to see his and his family's integrity being questioned in abusive social media posts.

Chopra invited Nadeem, who defeated the Indian in Paris last year to win gold, for the inaugural Neeraj Chopra Classic to be held in Bengaluru on May 24.

"After all that has taken place over the last 48 hours, Arshad's presence at the NC Classic was completely out of the question. My country and its interests will always come first," Chopra, who is a Subedar Major in the Indian Army, said in a lengthy post on 'X'.

"To those that are going through the loss of their people, my thoughts and prayers

are with you. Along with the entire nation, I am both hurt and angry at what has taken place," said Chopra.

"I am confident that our country's response will show our strength as a nation and justice will be served," he added.

Nadeem had declined to come citing other commitments.

The 27-year-old Chopra said he is well aware of the chatter surrounding his invitation to Nadeem after the Pahalgam attack in which 26 people, mostly tourists, were gunned down by terrorists.

"...Most of it has been hate and abuse. They haven't even left my family out of it," said Chopra. "I usually am a man of few words, but that doesn't mean I will not speak up against what I think is wrong. More so when it comes to questioning my love for our country, and the respect and honour of my family," he wrote.

Chopra said invites for NC Classic were sent out on Monday, a day before the Pahalgam terror attack in which 26 people, mostly tourists, were killed.

"The invitation I extended to Arshad was from one athlete to another -- nothing more, nothing less. The aim of NC Classic was to bring the best athletes to India and for our country to be the home of world-class sporting events.

"Invites had gone out to all athletes on Monday, two days (sic) before the terrorist attacks at Pahalgam," he added.

Mother targetted

Chopra also highlighted the targetting of his mother, Saroj, for her statement after the Paris Games last year in which she described Nadeem as akin to her son.

"I also find it difficult to understand how people switch opinions. When my mother - in her simplicity - had made an innocent comment a year ago, there was an outpouring of praise for her views.

सीमा हैदर पाकिस्तानला परत जाणार नाही, केंद्राच्या निबंर्धानंतरही वकिलांनी मांडली भूमिका; या नियमावर ठेवलं बोट!

नई दिल्ली: पहलगाम येथे झालेल्या दहशतवादी हल्ल्यानंतर भारतासह जगभरातल्या देशांकडून पाकिस्तानच्या कृत्याचा निषेध केला जात आहे. या हल्ल्यामध्ये पाकिस्तानचा हात असल्याचं स्पष्ट झाल्यानंतर भारत सरकारनं पाकिस्तानवर मोठ्या प्रमाणावर निर्बंध लादले आहेत. त्यात पाकिस्तानी नागरिकांना भारतात प्रवेशबंदी करण्याबरोबरच भारतात असणाऱ्या पाकिस्तानी नागरिकांना ताबडतोब देश सोडण्याचे आदेश देण्यात आले आहेत. या पार्श्वभूमीवर दोन वर्षांपूर्वी पाकिस्तानातून भारतात पळून आलेल्या सीमा हैदरचं काय होणार? असा प्रश्न उपस्थित केला जात आहे. पहलगाम येथे २२ एप्रिल रोजी झालेल्या दहशतवादी हल्ल्यात २६ पर्यटकांचा मृत्यू झाला. यावरून देशभरात संताप व्यक्त होत असून पाकिस्तानला धडा शिकवण्याची भावना देशवासीयांकडून व्यक्त केली जात आहे. यासंदर्भात पहिलं पाऊल म्हणून भारत सरकारने पाकिस्तानवर निर्बंध लादले आहेत. केंद्र सरकारने सर्व राज्य सरकारांशी संपर्क साधून त्या त्या राज्यात राहणाऱ्या पाकिस्तानी नागरिकांची यादी करून त्यांना परत पाठवण्याचे आदेश दिले आहेत. त्यात सीमा

हैदरचीही परत पाठवणी होणार का? असा प्रश्न उपस्थित होत असताना तिच्या वकिलांनी त्यावर स्पष्टीकरण दिलं आहे. २०२३ साली सीमा तिच्या चार मुलांसह हैदर पाकिस्तानातून नेपाळमार्गे भारतात पळून आली होती. पाकिस्तानात पती गुलाम हैदरच्या छळाला कंटाळून सीमा भारतात आली. ग्रेटर नोएडामध्ये राहणारा प्रियकर सचिन मीनाबरोबर सीमानं हिंदू पद्धतीने विवाह केला. पण भारतीय कायद्यानुसार सीमा हैदरनं भारतात बैकायदेशीररीत्या प्रवेश केला असल्याचा आरोप करण्यात आला. त्यानुसार तिच्या नागरिकत्वासंदर्भातला खटला अद्याप न्यायालयात प्रलंबित आहे. इंडिया टुडेनं यासंदर्भात सविस्तर वृत्त दिलं आहे.

दरम्यान, भारत सरकारनं सर्व पाकिस्तानी नागरिकांना परत जाण्याचे निर्देश दिल्यानंतर सीमा हैदरच्या नागरिकत्वाची चर्चा होऊ लागली. मात्र, ती भारतीयच असल्याचा दावा तिच्या वकिलांनी केला आहे. सीमा आता पाकिस्तानी नागरिक नाही. तिनं सचिन मीना यांच्याशी लग्न केलं आहे. शिवाय नुकतंच सीमानं एका मुलील जन्म दिला असून तिचं नाव भारती मीना असं आहे. आता तिचं नागरिकत्व तिच्या पतीच्या नागरिकत्वाशी जोडलं गेलं आहे. त्यामुळे केंद्र सरकारनं जारी केलेले आदेश सीमा हैदरला लागू होत नाहीत, अशी भूमिका वकील ए. पी. सिंह यांनी पीटीआयशी बोलताना मांडली. केंद्र सरकारचे आदेश फक्त त्याच लोकांना लागू होतात, ज्यांच्याकडे पाकिस्तानी नागरिकत्व आहे. सीमा सध्या भारतात आहे. ती एक भारतीय आहे. कोणत्याही महिलेचं नागरिकत्व हे लग्नानंतर तिच्या पतीच्या नागरिकत्वाशी जोडलं जातं. त्यामुळे सीमा हैदर आता भारतीय ठरते. शिवाय सीमा हैदरचं प्रकरण इतर पाकिस्तानी नागरिकांप्रमाणे नाही. तिच्या नागरिकत्वाचा मुद्दा भारतात न्यायप्रविष्ट असून दहशतवादविरोधी पथकाकडून चौकशी चालू आहेह्न, असंही ए. पी. सिंह यांनी नमूद केलं.

घोडबंदरच्या गजबजलेल्या भागात स्पाच्या नावाखाली वेश्या व्यवसाय, सात महिलांची सुटका

ठाणे : घोडबंदर येथील अंत्यत गजबजलेल्या ठिकाणी स्पाच्या नावाखाली वेश्याव्यवसाय केला जात असल्याचा प्रकार समोर आला आहे. याप्रकरणी ठाणे पोलिसांच्या अनैतिक मानवी वाहतुक प्रतिबंधक कक्षाने कारवाई करुन सात महिलांची सुटका केली आहे. तसेच दोन महिला आणि एक दलाल पुरुषाला अटक केली आहे.कासारवडवली येथील एका संकुलालगत असलेल्या शॉपिंग कॉम्प्लेक्सजवळ अमारा वेलनेस अँड हिलनेस स्पा या नावाने मसाज केंद्र सुरु होते. यामध्ये स्पाच्या नावाखाली वेश्या व्यवसाय चालविला जात असल्याची माहिती ठाणे पोलिसांच्या अनैतिक मानवी वाहतुक प्रतिबंधक कक्षास मिळाली होती. या माहितीच्या आधारे, गुन्हे अन्वेषण शाखेचे उपायुक्त अमरसिंह जाधव, साहाय्यक पोलीस आयुक्त धनाजी क्षीरसागर यांच्या मार्गदर्शनाखाली अनैतिक मानवी वाहतुक प्रतिबंध कक्षाच्या वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक चेतना चौधरी, महिला पोलीस उपनिरीक्षक स्नेहल शिंदे, पोलीस उपनिरीक्षक एन.डी. क्षीरसागर, महिला पोलीस उपनिरीक्षक कदम, साहाय्यक पोलीस उपनिरीक्षक डी.के. वालगुडे, पोलीस हवालदार व्ही. आर. पाटील, के.बी. पाटील, आर. यु. सुवारे, महिला पोलीस अमलदार पी.जी. खरात, एच.आर. थोरात, के.एम. चादेकर, यु.एम. घाडगे यांच्या पथकाने या प्रकरणाचा तपास सुरु केला. पथकाने गुरुवारी स्पाजवळ सापळा रचून दोन महिला आणि एक पुरुष दलालास ताब्यात घेतले. त्यांची चौकशी केली असता, त्यांनी गुन्ह्याची कबूली दिली. याप्रकरणात पोलिसांनी सात महिलांची सुटका केली आहे. ठाणे : घोडबंदर येथील अंत्यत गजबजलेल्या ठिकाणी स्पाच्या नावाखाली वेश्याव्यवसाय केला जात असल्याचा प्रकार समोर आला आहे. याप्रकरणी ठाणे पोलिसांच्या अनैतिक मानवी वाहतुक प्रतिबंधक कक्षाने कारवाई करुन सात महिलांची सुटका केली आहे. तसेच दोन महिला आणि एक दलाल पुरुषाला अटक केली आहे. कासारवडवली येथील एका संकुलालगत असलेल्या शॉपिंग कॉम्प्लेक्सजवळ अमारा वेलनेस अँड हिलनेस स्पा या नावाने मसाज केंद्र सुरु होते. यामध्ये स्पाच्या नावाखाली वेश्या व्यवसाय चालविला जात असल्याची माहिती ठाणे पोलिसांच्या अनैतिक मानवी वाहतुक प्रतिबंधक कक्षास मिळाली होती.

पहलगाममध्ये हल्ला केला दहशतवाद्यांनी, भोगतायत भारतीय नागरीक; डेहराडूनहून जीव मुठीत धरून परतले काश्मिरी तरुण!

नई दिल्ली: पहलगाममध्ये भारतीय पर्यटकांवर दहशतवाद्यांनी हल्ला केल्यानंतर त्यावरून देशभर संताप व्यक्त केला जात आहे. २६ पर्यटकांचा या हल्ल्यात मृत्यू जाला. या हल्ल्यात पाकिस्तानचा हात असल्याचं स्पष्ट झाल्यानंतर भारत सरकारनं पाकिस्तानवर मोठ्या प्रमाणावर निर्बंध लादले. भारतात काही कारणास्तव आलेल्या पाकिस्तानी नागरिकांना येत्या ४८ तासांत देश सोडून जाण्याचे आदेश दिले गेले आहेत. पण पहलगाम हल्ला प्रकरणामुळे डेहराडूनमध्ये आपलं भविष्य घडवण्यासाठी शिकणाऱ्या काश्मिरी मुस्लीम तरुणांना मोठा मनस्ताप सहन करावा लागत आहे. २२ एप्रिल रोजी पहलगाममध्ये दहशतवाद्यांनी हल्ला केला. बैसरण खोऱ्यात दाखल झालेल्या पर्यटकांपैकी महिला व मुलांना दहशतवाद्यांनी सोडून दिलं तर पुरुषांना ठार केलं. या सगळ्या प्रकरणावर आता उच्चस्तरीय बैठकांमधून आढावा व पुढील रणनीती ठरवली जात आहे. पण दुसरीकडे काश्मिरी मुस्लीम तरुणांना या प्रकरणामुळे मोठ्या त्रासाला सामोरं जावं लागत आहे. आपल्याच देशात काश्मिरी तरुणांना जीव मुठीत धरून महाविद्यालयातून पळून जावं लागल्याचा प्रकार समोर आला आहे. पहलगाममध्ये हल्ला झाल्यानंतर दुसऱ्याच दिवशी उत्तराखंडच्या डेहराडूनमध्ये हिंदू रक्षा दल नावाच्या उजव्या विचारसरणीच्या संघटनेनं डेहराडूनमधील काश्मिरी मुस्लिमांना काश्मीरला परत जाण्याचं फर्मान काढलं. शिवाय, परत न गेल्यास कधी कल्पनाही केली नसेल अशा परिणामांना सामोरं जावं लागेल, असा गंभीर इशाराही दिला. या संघटनेचा एक नेता ललित शर्मा याचा यासंदर्भातला व्हिडीओ सोशल मीडियावर व्हायरल होऊ लागला. यानंतर डेहराडूनमधील मुस्लिमांना धमकावण्याचे प्रकार सुरू झाले. डेहराडूनच्या बाबा फरीद इन्स्टिट्युट ऑफ टेक्नोलॉजीमध्ये शिकणाऱ्या काही काश्मिरी विद्यार्थ्यांना दमदाटीचे प्रकारही घडले. महाविद्यालयात प्रवेश घेतल्यापासून आपल्याला ओळखणारेच आता धमकावत असल्याची खंत या विद्यार्थ्यांनी इंडियन एक्स्प्रेसकडे व्यक्त केली. जर आम्ही इथे थांबलो तर संकटात सापडू, असा दबाव इथल्या स्थानिकांनी आमच्यावर टाकला, असं या विद्यार्थ्यानं सांगितलं.

इस्त्रोचे माजी अध्यक्ष के. कस्तुरीरंगन यांचे निधन, पंतप्रधानांनी वाहिली श्रद्धांजली

नई दिल्ली: भारतीय अंतराळ संशोधन संस्थेचे (इस्त्रो) माजी अध्यक्ष के. कस्तुरीरंगन यांचे आज (शुक्रवार, २५ एप्रिल) सकाळी बेंगळुरू येथे निधन झाले. ते ८४ वर्षांचे होते. सकाळी १० वाजण्याच्या सुमारास त्यांनी अखेरचा श्वास घेतला. त्यांच्या पश्चात दोन मुले आहेत. कस्तुरीरंगन यांना दोन वर्षांपूर्वी सौम्य हृदयविकाराचा झटका आला होता आणि तेव्हापासून ते आजारी होते. त्यांच्या पार्थिवावर रविवारी अंत्यसंस्कार करण्यात येणार आहेत. त्यापूर्वी, त्यांचे पार्थिव रमण संशोधन संस्थेत अत्यंदर्शनासाठी ठेवण्यात येणार आहे.

तीस वर्षांहून अधिक काळ इस्त्रोमध्ये काम करणाऱ्या कस्तुरीरंगन यांनी १९९४ ते २००३ दरम्यान संस्थेचे प्रमुख म्हणून काम केले होते. हा काळ भारतीय अंतराळ संस्थेसाठी अत्यंत कठीण काळ होता. या काळात इस्त्रोवर अनेक आंतरराष्ट्रीय निर्बंध लादण्यात आले होते.

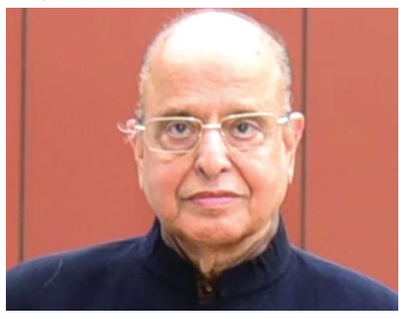

१९९८ मध्ये भारताच्या अणुचाचणीनंतर हे निर्बंध आणखी कडक करण्यात आले होते. कस्तुरीरंगन यांच्या नेतृत्वाखालीच इस्त्रोने स्वावलंबी होण्याचा मार्ग स्वीकारला आणि चांद्रयानसारख्या मोठ्या मोहिमांसाठी नियोजन करण्यास सुरुवात केली होती. कस्तुरीरंगन पुढे राज्यसभेचे सदस्य आणि नंतर नियोजन आयोगाचे सदस्य झाले होते. त्यांनी सरकारमध्ये इतर अनेक सल्लागार पदांवरही काम केले आहे. उच्च शिक्षण, तंत्रज्ञान आणि अगदी पर्यावरण यासारख्या विविध मुद्द्यांवर सरकारला सल्ला देणाऱ्या समित्यांचे ते अध्यक्ष होते किंवा त्या समित्यांमध्ये ते सदस्य होते. कस्तुरीरंगन यांच्या निधनाचे वृत्त समजताच पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी दुःख व्यक्त केले आहे. एक्सवर केलेल्या पोस्टमध्ये पंतप्रधान मोदी म्हणाले, भारताच्या वैज्ञानिक आणि शैक्षणिक प्रवासातील एक उत्तुंग व्यक्तिमत्व असलेले डॉ. के. कस्तुरीरंगन यांच्या निधनाने मला खूप दुःख झाले आहे. त्यांचे दूरदर्शी नेतृत्व आणि देशासाठी दिलेले निस्वार्थी योगदान नेहमीच लक्षात ठेवले जाईल. त्यांनी इस्त्रोची सेवा मोठ्या परिश्रमाने केली, भारताच्या अंतराळ कार्यक्रमाला नवीन उंचीवर नेले. त्यांच्या नेतृत्वात महत्त्वाकांक्षी उपग्रह प्रक्षेपण देखील झाले आणि नवोपक्रमावर लक्ष केंद्रित केले.

सिर्फ रात में ही शूट होती थी ये फिल्म, रिलीज हुई तो बनें रिकॉर्ड

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के फिल्मों की कहानी कुछ ऐसी होती है कि उनका बॉक्स ऑफिस पर छा जाना तो बनता ही है। आज हम आपको उनकी एक ऐसी ही फिल्म के बारे में बता रहे हैं। साल 2022 में आई उनकी ये फिल्म काफी चर्चा में रही। फिल्म का नाम 'गंगूबाई काठियावाड़ी' है। 2022 ने रिलीज हुई इस फिल्म में आलिया भट्ट ने लीड रोल निभाया था। आलिया के अलावा फिल्म में शांतनु माहेश्वरी, विजय राज, सीमा पाहवा, जिम सर्भ और अजय देवगन जैसे सितारे भी शामिल हैं। फिल्म की कहानी एक मशहूर माफिया क्वीन गंगूबाई काठियावाड़ी के बारे में है, जिसे उसके बॉयफ्रेंड ने सिर्फ 500 रुपये के लिए कोठे में बेच दिया था। बॉयफ्रेंड से धोखा मिलने के बाद गंगूबाई पूरी तरह टूट गई थी। फिर उसने मुंबई के रेड लाइट एरिया में अपनी नई जिंदगी शुरूआत की और माफिया क्वीन बन गई थी। पूरी फिल्म गंगूबाई के इर्द-गिर्द घूमती है। आईएमडीबी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की पूरी शूटिंग रात में ही हुआ करती थी, क्योंकि कहानी के हिसाब से यह दिन में शूट नहीं हो सकती थी। 100 करोड़ के बजट में तैयार हुई इस फिल्म ने 132.01 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 211.5 करोड़ रुपये का था. 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए आलिया भट्ट ने बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड जीता था. वहीं, बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी अपने नाम कर लिया था.

किसी एक्टर से नहीं बल्कि इस नेता से बेपनाह मोहब्बत करती थीं सोनाली

बॉलीवुड में ऐसी कई प्रेम कहानी है, जो अधूरी और अमर है। सालों बाद भी लोग इसे नहीं भूल पाते हैं। बॉलीवुड की एक्ट्रेस और मॉडल सोनाली बेंद्रे बेहद खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेसेज में शुमार हैं। इन्होने कई शानदार फिल्में की हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुईं हैं। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड फिल्म हम साथ साथ हैं में बेहद शानदार एक्टिंग की थी, जिसे आज भी लोग बहुत पसंद करते हैं। खूबसूरत होने के साथ एक्ट्रेस के दीवाने थे लेकिन एक्ट्रेस किसी एक्टर को नहीं बल्कि एक नेता से प्यार करती थी। आज हम आपको इनकी अधूरी मोहब्बत के बारे में बता रहें हैं। खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस सोनाली किसी और से नहीं बल्कि राजनेता राज ठाकरे से बेहद मोहब्बत करती थी। सिर्फ सोनाली ही नहीं बल्कि राज भी उनसे मोहब्बत करते थे। दोनों की प्रेम कहानी के बहुत चर्चे थे। हाल ही में एक फंक्शन में दोनों साथ नजर आएं हैं। दोनों सेलेब्स को साथ देखकर लोग उनके पुरानी मोहब्बत के बारे में सोचने लगे। 30 साल पहले दोनों ऐसे ही एक दूसरे के प्यार में पागल थे और शादी भी करना चाहते थे। लेकिन राज पहले से ही शादीशुदा थे। हालांकि एक्ट्रेस को भी इससे कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन इनके किस्मत में शायद मिलना नहीं लिखा था राज ठाकरे और सोनाली के साथ नहीं के पीछे उनका पॉलिटिक्स करियर था। दरअसल, राज पहले से ही शादीशुदा थे। अगर वो एक्ट्रेस से शादी करते तो शायद उनका करियर डूब जाता। इस वजह से इनके चाचा बाल ठाकरे ने ये शादी नहीं होने दी। चाचा बाल ठाकरे ने राज को समझाया और सोनाली से दूर होने को कहा। इसके बाद उन्होंने राज को कुछ समय के लिए विदेश रहने के लिए भेज दिया। राज के विदेश जाने के बाद एक्ट्रेस ने गोल्डी बहल से शादी कर ली और वह जीवन आगे बढ़ गईं। वहीं दूसरी ओर राज ठाकरे भी अपने पॉलिटिकल करियर में लग गए। इस ग्रह से दोनों अलग हो गए।

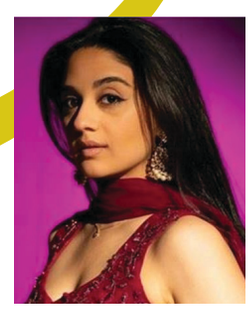

फिल्म निमार्ता प्रदीप कुर्बाह को मिला बेस्ट डायरेक्टर अवॉर्ड

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और फिल्म निमार्ता प्रदीप कुर्बाह को हाल ही में बड़ा सम्मान मिला है। प्रदीप कुर्बाह ने 47वें मास्को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते हैं। उनकी फिल्म 'हा लिंग्खा बेनग' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता और कुर्बाह को खुद सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। इस बात की पुष्टि करते हुए अधिकारियों ने बताया कि ये पुरस्कार नेटवर्क फॉर प्रमोशन ऑफ एशियन सिनेमा (एनईटीपीएसी) की तरफ से दिए गए। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने निर्देशक कुर्बाह को इस कामयाबी के लिए बधाई देते हुए कहा कि रूस में कुर्बाह की कामयाबी मेघालय के सभी लोगों के लिए फख्र की बात है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ने फिल्म के लिए कुर्बाह को 30 लाख रुपये की मदद दी है। अवॉर्ड हासिल करने के बाद कुर्बाह ने इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी खुशी जाहिर की और लिखा 'मैं अभिभूत, विनम्र और कृतज्ञता से भरा हुआ हूं। 'हा लिंग्खा बेनग' ने 47वें मास्को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता है। यह कहना कि सपना सच हो गया है, मेरे हिसाब से गलत होगा।' उनका मतलब था कि वह और अच्छी फिल्में बनाएंगे।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान आर्मी से रिश्ते की बात पर इस फेमस एक्ट्रेस ने दिया बयान

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में कई जवान शहीद हुए, जिससे देश भर में गुस्से का माहौल है। इसका असर न केवल राजनीति में बल्कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी देखने को मिल रहा है। पहले पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' को लेकर बवाल मचा था, और अब सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'फौजी' भी विवादों में आ गई है। फिल्म की लीड एक्ट्रेस इमानवी को लेकर अफवाहें फैल रही थीं कि उनका परिवार पाकिस्तानी सेना से जुड़ा हुआ है। इन अफवाहों के बाद एक्ट्रेस इमानवी ने खुद सामने आकर सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए उनका दिल दुखी है। उन्होंने इस हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि ऐसे वक्त में नफरत और झूठी बातें फैलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मानवी ने अपने पोस्ट में साफ लिखा, 'मेरे परिवार का कोई भी सदस्य कभी भी पाकिस्तानी सेना से नहीं जुड़ा रहा है। सोशल मीडिया पर जो बातें फैल रही हैं, वे पूरी तरह झूठी और बेबुनियाद हैं।

चौसा से लेकर तोतापरी तक, जानिए भारत में मिलने वाले आमों के नाम की दिलचस्प कहानियां

आम केवल एक फल नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और स्वाद का अभिन्न हिस्सा है। गर्मियां शुरू होती ही आम की बहार आ जाती है। आम खाना हर कोई पसंद करता है। अपने स्वाद के कारण आम सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाला फल है। भारत के हर कोने में आम की कोई न कोई खास किस्म पाई जाती है- जिनके नाम अपने इतिहास, भूगोल या स्थानीय विशेषताओं से जुड़े होते हैं।

हर आम का स्वाद, रंग और रूप एकदम अलग होता है। ज्यादातर लंगड़ा, चौसा, सफेदा और दशहरी आम खाए जाते हैं। लेकिन क्या आपने इनके नामों के पीछे की कहाने के बारे में जानने की कोशिश की है? तो इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आम के अलग-अलग नाम होने की कहानी क्या है।

चौसा आम

चौसा आम उत्तर प्रदेश, विशेष रूप से बागपत और सहारनपुर क्षेत्र में बहुत प्रसिद्ध है। इसका नाम शेर शाह सूरी द्वारा 1539 में हुमायूं पर चौसा (बिहार) में मिली जीत की याद में रखा गया था। शेर शाह इस आम के बड़े प्रशंसक थे और उन्होंने इसका नाम ह्यचौसाह्न रखा ताकि उनकी जीत की याद बनी रहे। स्वाद में यह अत्यंत मीठा और रसीला होता है।

अल्फांसो आम

अल्फांसो आम, जिसे हापुस भी कहा जाता है। यह आम महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र रत्नागिरी और देवगढ़ में उगाया जाता है। इसका नाम पुर्तगाली जनरल और खोजकर्ता अल्फोंसो डी अल्बुकर्क के नाम पर रखा गया था, जो 16वीं शताब्दी में भारत आए थे। पुर्तगालियों ने आम की ग्राफ्टिंग तकनीक भारत में पेश की, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले किस्में विकसित हुईं और अल्फांसो उन्हीं में से एक है। यह आम स्वाद में बेजोड़, सुगंधित और मक्खन जैसा मुलायम होता है।

तोतापरी आम

तोतापरी आम दक्षिण भारत- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में पाया जाता है। इसके नाम का कारण इसकी चोंच जैसी नुकीली आकृति है, जो तोते की चोंच से मिलती-जुलती है। यह आम अन्य किस्मों के मुकाबले थोड़ा कम मीठा होता है, लेकिन इसकी खुशबू और लंबा आकार इसे खास बनाता है।

दशहरी आम

दशहरी आम का ताल्लुक उत्तर प्रदेश के मलिहाबाद गांव से मानी जाती है। कहा जाता है कि इसकी पहली कलम दशहरी गांव के एक बाग में लगी थी, और वहीं से इसका नाम पड़ा। यह आम मीठे गूदे, पतले छिलके और अद्भुत सुगंध के लिए जाना जाता है। दशहरी आम की खास बात यह है कि यह पेड़ पर पकने के बजाय तोड़ने के बाद पकता है।

सिंदूरी आम

इस आम का नाम इसके गहरे लाल रंग से प्रेरित है, जो सिंदूर की तरह दिखाई देता है। यह आम उत्तर भारत में लोकप्रिय है और इसके रंग-रूप के कारण शादी-विवाह और त्योहारों में विशेष मांग रहती है।

बंबइया आम

बंबइया आम मुंबई और उसके आस-पास के क्षेत्रों में पाया जाता है। यह नाम स्थानीय बोलचाल से आया है और इसमें बहुत सारी किस्में आती हैं जो आकार, स्वाद और रंग में भिन्न होती हैं। यह आम अपेक्षाकृत सस्ता और बड़े पैमाने पर खाया जाने वाला है। खैर, अगर आपने इनमें से कोई खास किस्म का आम चखा है, तो बताइए कौन-सा आपका फेवरेट है?

वैशाख मासिक शिवरात्रि पर इस खास पूजा विधि से करें भोलेनाथ को प्रसन्न!

पंचांग के अनुसार, वैशाख मासिक शिवरात्रि के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त रात्रि 12 बजकर 3 मिनट से लेकर 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगा। इस दौरान भक्त भगवान शिव की विधि- विधान से पूजा कर सकते हैं।

मासिक शिवरात्रि पूजा सामग्री

मासिक शिवरात्रि की पूजा के लिए गंगा जल, पंच रस, इंत्र, गंध, रोली, मौली, जनेऊ, पंच मिष्ठान, बेलपत्र, धतुरा, भांग, बेर, आम्र मंजरी, जौ का बालें, गाय का दूध, ईख का रस, चंदन, कपूर, धून, दिया, चंदन, पुष्प, पंच फल, पंच मेवा, दही, घी और शहद। इसके अलावा माता पार्वती की लिए श्रृंगार की वस्तुएं चूड़ी, बिंदी, चुनरी, सिंदूर की आवश्यकता होगी।

मासिक शिवरात्रि पूजा की विधि

मासिक शिवरात्रि के दिन भोलेनाथ की पूजा करने के लिए सुबह उठकर स्नान आदि करने के बाद व्रत तथा पूजन का संकल्प लें। रात को शुभ मुहूर्त में मासिक शिवरात्रि की पूजा करें। शिवलिंग का पहले साफ पानी से फिर दूध से और बाद में पुनः साफ जल से अभिषेक करें। इसके बाद फूल चढ़ाएं और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। इसके बाद अबीर, गुलाल, रोली, बिल्व पत्र, धतूरा आदि चीजें एक-एक करके चढ़ाते रहें। रात में अन्य प्रहर में भी इसी तरह शिवलिंग की पूजा करें और भोग लगाकर आरती करें।

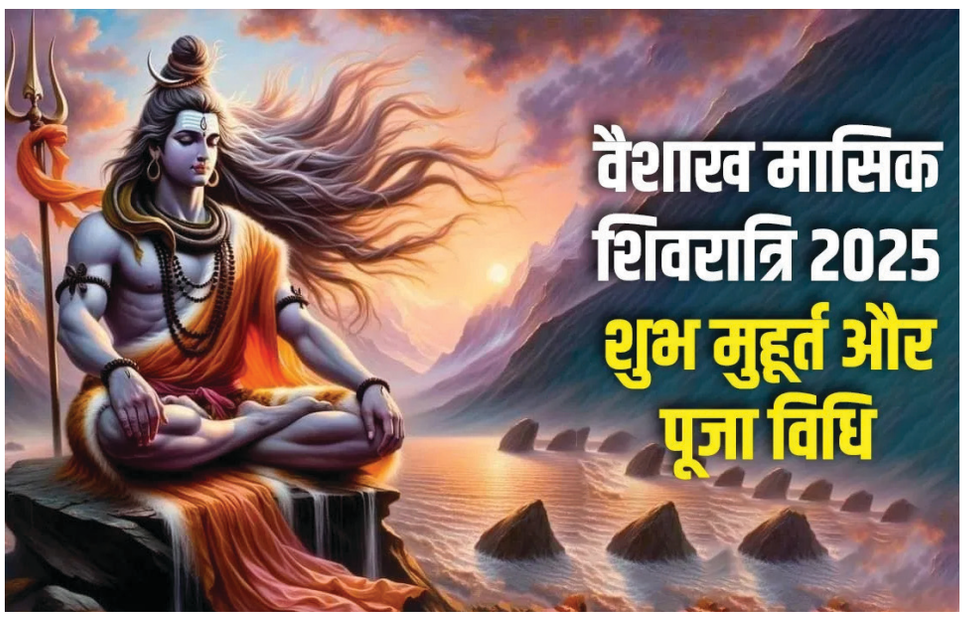

भगवान शिव को लगाएं इन चीजों का भोग

मासिक शिवरात्रि के दिन भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए पूजा में उनकी प्रिय चीजें अर्पित करनी चाहिए। मासिक शिवरात्रि के दिन मौसमी फल, मालपुआ, ठंडाई और लस्सी विशेष रूप से शामिल होते हैं।

मासिक शिवरात्रि पूजा मंत्र

ॐ नमः शिवाय
ॐ त्र्यम्बकं यजामहे
ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि
ॐ नमो भगवते रुद्राय
ॐ सांब सदाशिव नमो नमः
ऊं पषुप्ताय नमः

मासिक शिवरात्रि का महत्व

मासिक शिवरात्रि को भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए इस रात को सबसे शक्तिशाली माना जाता है, क्योंकि यह शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक है, जो ब्रह्मांडीय ऊर्जा और संतुलन का प्रतिनिधित्व करता है, जो भक्तों को अपने मन और आत्मा को शुद्ध करने का अवसर प्रदान करती है।

कितनी खतरनाक है मलेरिया की बीमारी, क्या हैं शुरूआती लक्षण

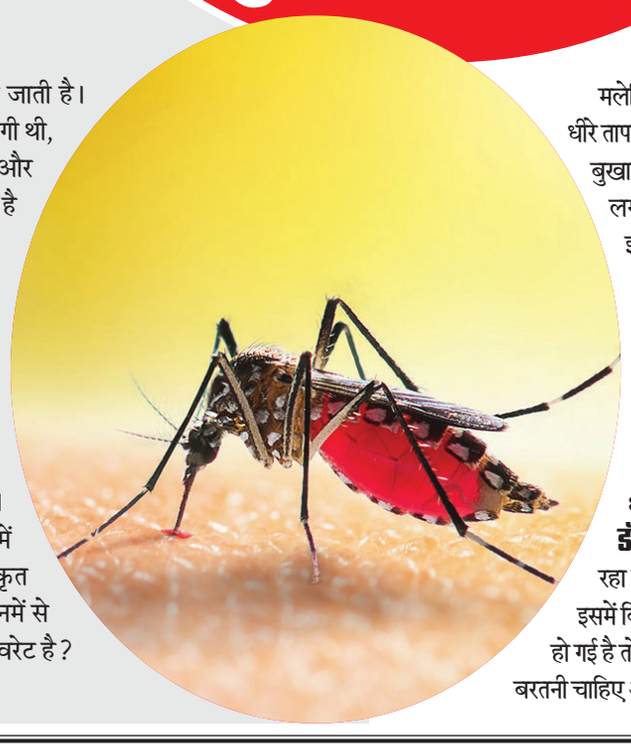

मलेरिया बीमारी मच्छर के काटने से होती है। हालांकि इस बीमारी का इलाज हो सकता है, लेकिन यदि बीमारी में लापरवाहीबरती जाए तो यह जानलेवा भी हो सकती है। दुनिया भर में हर साल इस बीमारी से 4 लाख से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा देते हैं। एनाफिलीज मादा मच्छर मेंप्लाज्मोडियम परजीवी होता है। मच्छर काटने के बाद इस परजीवी को शरीर में छोड़ देती है। यह परजीवी लिवर में पहुंचता है और खून में चला जाता है।

मलेरिया के शुरूआती लक्षणों में सर्दी लगने के बाद तेज बुखार चढ़ना और फिर धीरे-धीरे तापमान सामान्य होना है। मलेरिया होने पर मरीज को पहले सर्दी लगती है और फिर तेज बुखार हो जाता है। इसके बाद पसीना आता और बुखार उतरना शुरु हो जाता है। इससे लगता है कि बुखार उतर गया, लेकिन कुछ समय बाद फिर से यही चक्र शुरू होता है। इसके अलावा सिर में दर्द, शरीर दर्द, बहुत थकान महसूस होना, उल्टी और दस्त की शिकायत भी हो सकती है। यदि बुखार के साथ यह सभी लक्षण आपको उभर रहे हैं तो सचेत हो जाएं। मलेरिया में लापरवाही बरतना जानलेवा हो सकता है।

बचाव के लिए क्या करें: अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, डॉ। संचयन रॉय बताते हैं किमच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें। घर और कार्य परिसर में सफाई रखें। मच्छरों को पनपने न दें। मलेरिया का मच्छर दिन के साथ रात में भी काटता है इसलिए सचेत रहें। अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखें। खानपान का ध्यान रखें और पानी ज्यादा पिएं।

डॉक्टर के पास कब जाएं: यदि आपको लगातार सर्दी लगने के बाद बुखार चढ़ रहा है और फिर पसीना आने के बाद बुखार उतर रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसमें किसी और लक्षण के उभरने का इंतजार न करें। यदि लूज मोशन और उल्टी भी शुरू हो गई है तो यह आपके लिए आपात स्थिति है। इस स्थिति में तो किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और तुरंत डॉक्टरी सहायता लेनी चाहिए। इस स्थिति में देरी करना घातक हो सकता है।

गर्मियों में लू लगने के बाद शरीर में क्या होता है, कैसे ये बन जाती है खतरनाक

गर्मियों में तापमान बढ़ने से बहुत तेज गर्म हवाएं चलने लगती हैं। इन गर्म हवाओं को ही लू या हीट वेव कहा जाता है। कई बार हीट वेव के कारण मौत भी हो सकती है। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत है, वह हीट वेव को सहन कर लेते हैं, लेकिन कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को लू लग जाती है। लू लगने के कुछ प्राथमिक लक्षण होते हैं। इन लक्षणों को पहचानकर तुरंत इलाज करवाना चाहिए।

तेज गर्म हवाएं हीट वेव या लू शरीर के संपर्क में आने के बाद शरीर का तापमान बढ़ा देती हैं जिससे कई गंभीर समस्याएं होती हैं। जो लोग ज्यादा देर तक धूप में रहते हैं या फिर दोपहर में 12 बजे से 4 बजे के बीच धूप में रहना पड़ता है। उन्हें लू लगने की आशंका सबसे ज्यादा रहती है। इसके साथ ही जो लोग खुद को हाइड्रेट नहीं रखते, उन्हें भी लू लगने की आशंका ज्यादा रहती है। गंभीर बात यह है कि अधिकांश लोगों को जल्दी पता ही नहीं चल पाता है कि उन्हें लू लग गई है।

यदि आप लूट की चपेट में आ गए हैं तो सबसे पहला लक्षण आपको सिर में दर्द होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा कमजोरी महसूस होना, चक्कर आना और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण भी उभरने लगते हैं। शुरूआत में यह लक्षण हल्के होते हैं, लेकिन समय बढ़ने के साथ इनकी तीव्रता भी बढ़ने लगती है। लू लगने पर अचानक से तेज बुखार होने लगता है। बुखार होने औरशरीर में गर्मी बढ़ने पर भी पसीना नहीं आता। पसीना नहीं आने से शरीर लगातार गर्म होता जाता है और स्थिति गंभीर हो जाती है।

कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट
साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था

विश्व टीकाकरण सप्ताह के अंतर्गत झांसी में स्कूल आधारित टिटनेस-डिप्थीरिया टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। विश्व टीकाकरण सप्ताह (24 से 30 अप्रैल) के अवसर पर झांसी जनपद में स्कूल आधारित टिटनेस-डिप्थीरिया (Tetanus-Diphtheria – TD) टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुधाकर पांडेय द्वारा राजकीय हाईस्कूल भोजला में किया गया। सीएमओ डॉ. पांडेय ने बताया कि यह विशेष अभियान 24 अप्रैल से 10 मई 2025 तक चलेगा, जिसमें जनपद के सभी विद्यालयों में कक्षा 5 और कक्षा 10 के बच्चों को टीडी-10 और टीडी-16 का टीका लगाया जाएगा। यह कदम डिप्थीरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए उठाया गया है, ताकि बच्चों को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित किया जा सके। सीएमओ ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 10 और 16 वर्ष के बच्चों को अवश्य टीका लगवाएं, ताकि उनका स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने

बताया कि जिला स्तर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक तथा अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के सहयोग से कार्ययोजना तैयार की गई है।

छूटे हुए बच्चों के लिए तय किया गया लक्ष्य

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रवि शंकर ने बताया कि जनपद में अनुमानित 10,040 बच्चों को टीडी-10 तथा 8,281 बच्चों को टीडी-16 का टीका लगाया जाना है। इसके लिए सभी एएनएम (सहायक नर्स दाइयों) को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों व मदरसों में जाकर सूचीबद्ध बच्चों को टीका लगाएं।

विशिष्ट जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अंशुमान तिवारी, बड़ागांव के अधीक्षक डॉ. वैभव पुरोहित, पीएचसी भोजला की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. रेखा राजपूत, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ. विजयश्री शुक्ला, यूनिसेफ से श्री आदित्य जायसवाल, यूएनडीपी से श्री चंद्रभूषण, श्री गौरव वर्मा, एआरओ श्री दिवेश सिंह, बीसीपीएम श्री सुनील कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अशोक चौधरी, एएनएम श्रीमती आभा तिवारी सहित शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माह मार्च में विकास एवं राजस्व प्रगति में जालौन पहले स्थान पर, झांसी छठे और ललितपुर बारहवें स्थान पर

जनपदों की रैंकिंग पर अधिकारियों को मिली सराहना

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी,उत्तर प्रदेश। मण्डलायुक्त श्री बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में आयोजित मण्डलीय समीक्षा बैठक में मार्च माह की विकास एवं राजस्व प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें जनपद जालौन को प्रथम, झांसी को छठा, और ललितपुर को बारहवां स्थान प्राप्त हुआ। मण्डलायुक्त ने जनपदों के अधिकारियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में 1 करोड़ से अधिक लागत वाली निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मण्डलायुक्त ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा कर संबंधित विभागों को सौंपा जाए। साथ ही 90% से अधिक पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को 30 मई 2025 तक हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश भी दिया गया।

निदेशों के मुख्य बिंदु:

निर्माण श्रमिकों का पंजीकरण श्रम विभाग के पोर्टल पर अनिवार्य।

विद्युत आपूर्ति और चोरी रोकथाम के लिए कुशल रणनीति।

पीएम सूर्य घर योजना और मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना का प्रचार-प्रसार। बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण की जांच।

पेंशन योजनाओं (वृद्धावस्था, निराश्रित महिला, दिव्यांग) में 100% लाभार्थियों को शामिल करने का निर्देश।

वृक्षारोपण अभियान की तैयारी की समीक्षा

राजस्व संग्रह के मासिक लक्ष्यों को समय से प्राप्त करने का निर्देश। मण्डलायुक्त ने ललितपुर में 33 निर्माण कार्यों में से 19 के लिए भूमि चिन्हांकन न होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक का स्पष्टीकरण भी मांगा है। बैठक में प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें ललितपुर के जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, झांसी के मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

परमिट नवीनीकरण के लिए प्राधिकरण ने निर्धारित की 2 वर्ष की समय सीमा

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। झांसी मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुई। इस बैठक में अराष्ट्रीयकृत मार्गों पर स्थायी अनुज्ञापत्र, मृतक आश्रितों के अनुज्ञापत्रों के वारसानों के नाम हस्तांतरण, परमिट पर वाहन पृष्ठांकन जैसे विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में झांसी सम्भाग के तीनों जनपदों–झांसी, ललितपुर और जालौन–में कुल 29 नए अनुज्ञापत्र जारी करने की अनुमति प्रदान की गई। इनमें झांसी में 5, ललितपुर में 14 और जालौन में 10 अनुज्ञापत्र शामिल हैं।

परमिट नवीनीकरण में लापरवाही पर सख्ती

प्राधिकरण ने परमिट नवीनीकरण समय से न कराने वाले परमिट धारकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए विलम्ब शुल्क सहित नवीनीकरण की

अधिकतम सीमा दो वर्ष निर्धारित की है। साथ ही, ऐसे सभी परमिट धारक जिनके प्रकरण अभी तक प्राधिकरण द्वारा नहीं सुने गए हैं, उन्हें तीन माह के भीतर सचिव, सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण के समक्ष आवेदन कर नवीनीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। ऐसा न करने की स्थिति में परमिट निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण झांसी की बैठक में लिये गए कई अहम निर्णय, बस यूनियन ने उठाई परिवहन संचालकों की समस्याएं

बैठक में विभिन्न पक्षों की रही भागीदारी

बैठक में बस यूनियन अध्यक्ष श्री अनूप यादव ने परमिट धारकों की ओर से पक्ष रखते हुए विभिन्न समस्याओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। साथ ही झांसी, जालौन और ललितपुर के परिवहन निगम से संबंधित मामलों पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन निगम, झांसी ने विचार रखे। विभिन्न परमिट आवेदकों, उनके अधिवक्ताओं और यूनियन प्रतिनिधियों की सुनवाई भी बैठक में की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी श्री जुनेद अहमद, परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) आगरा श्री मयंक ज्योति, सचिव सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण ए.के. त्रिवेदी, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) श्री प्रभात पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन सचिव त्रिवेदी और प्रभात पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आक्रोशित लोगों ने मियाँगंज में किया पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, 'पाकिस्तान मुदार्बाद' के लगे नारे

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में उन्नाव जनपद के मियाँगंज कस्बे में लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'पाकिस्तान मुदार्बाद' के नारे लगाए और हमले में शहीद हुए निर्दोष लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुस्साए नागरिकों ने आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए भारत सरकार से आतंकियों और उनके सरपरस्तों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। कस्बे के मुख्य चौराहे पर एकत्र होकर लोगों ने आतंक के खिलाफ अपनी एकजुटता दर्शाई। विरोध प्रदर्शन में वरिष्ठ नागरिक रामशरण गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र गुप्ता 'बब्लू', भाजपा नेता रामू तिवारी, बृजेन्द्र शर्मा यज्ञाचार्य, राजकुमार पाण्डेय, बैरागी यादव, दयाराम बाबा प्रधान, समाजसेवी शीबू अहमद, हरिश्चन्द्र रावत, सीटू गुप्ता, शुन्दर लाल, प्यारे लाल, मनोज राजपूत, मुकेश राजपूत, अरविंद राजपूत, कपिल गुप्ता, टिल्लू यादव, अनिल, हरिशंकर, मनोज गौतम और फजीउर रहमान सहित भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधान की पत्नी सिपाही संग फरार, सास की देखभाल के लिए अस्पताल आई थी; वहीं से पुलिस वाले संग भाग गई

संवाददाता

हापुड़ । उत्तर प्रदेश के हापुड़ से एक हैरान करने वाली लव स्टोरी सामने आई है. यहां ग्राम प्रधान की पत्नी अपने सिपाही प्रेमी के साथ भाग गई. मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महिला को राजस्थान से बरामद किया है. प्रधान पति ने पत्नी को अपने मां के पास छोड़ था, जिसका इलाज हापुड़ के एक अस्पताल में चल रहा था. इस दौरान महिला ने अपनी प्रेमी के साथ मिलकर भागने की योजना बनाई थी.

हापुड़ देहात क्षेत्र के एक नर्सिंग होम में अपनी सास की सेवा कर रही प्रधान की पत्नी सिपाही प्रेमी के साथ भाग गई थी. महिला का पिछले काफी समय से राजस्थान के एक सिपाही के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था. पत्नी के भागने के बाद बुलंदशहर के एक गांव के प्रधान ने इस संबंध में एसपी से शिकायत की थी. इस दौरान उसने राजस्थान के सिपाही पर पत्नी को भाग ले जाने का आरोप लगाया था.

सास को छोड़कर प्रेमी के साथ हुई थी फरार

मामले के संज्ञान में आते ही पुलिस महिला और उसके सिपाही प्रेमी की तलाश में जुटी गई. प्रधान की मां की तबियत काफी खराब थी. इसलिए उन्हें इलाज के लिए हापुड़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया था. इस दौरान मां की देखभाल के लिए पति ने अपनी पत्नी को वहां छोड़ा हुआ था. 13 अप्रैल को बहू अपनी बीमार सास को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई. प्रधान पति ने बताया कि उसकी पत्नी पुलिस में भर्ती होना चाहती थी.

वह पुलिस परीक्षा की तैयारी भी कर रही थी. ऐसे में उसका पुलिसकर्मियों के प्रति विशेष लगाव रहता था. इस बीच सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी दोस्ती राजस्थान पुलिस के एक जवान से हो गई थी, जो कि ब्यावर जिले के थाना वियनगर में सिपाही के रूप में तैनात है. दोस्ती से दोनों के बीच प्यार बढ़ा और फिर वह हापुड़ से फरार हो गए थे. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए विवाहिता को राजस्थान के अजमेर से बरामद कर लिया है.

यूपी बोर्ड रिजल्ट्स में बरेली की तीन बेटियां टॉप टेन में

संवाददाता

बरेली। यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में बरेली जिले की छात्राओं ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बरेली के सर्वोदय जनकल्याण इंटर कॉलेज, खेड़ा की तीन प्रतिभाशाली छात्राओं ने प्रदेश के टॉप 10 की लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। इन छात्राओं की मेहनत, अनुशासन और लगन ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। चलिए जानतें हैं इन छात्राओं के बारे में-

तूबा खान प्रदेश में पांचवां स्थान

थाना भमोरा के सिरोही गांव की रहने वाली तूबा खान ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 480 मार्क्स हासिल कर प्रदेश में पांचवां स्थान हासिल किया है। उनके कुल मार्क्स प्रतिशत 96% हैं। तूबा एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता फहीम खान डेयरी व्यवसाय करते हैं और मां रहमानी एक गृहिणी हैं। तूबा का सपना डॉक्टर बनने का है और इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना ली थी। तूबा की इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी डॉ। नीरज कुमार पांडे ने कहा बरेली के लिए यह गौरव की

बात है। मैं तूबा और उसके अभिभावकों को परिषद की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं।

डिंपल मौर्य प्रदेश में छठा स्थान

बरेली के मढ़ीनाथ इलाके की डिंपल मौर्य ने 479 मार्क्स हासिल कर प्रदेश में छठा स्थान हासिल किया है। उनके पिता देवेंद्र कुमार एक इंटर कॉलेज में शिक्षक हैं और मां दीपा मौर्य गृहिणी हैं। डिंपल का सपना डॉक्टर बनने का है और वह अपनी मेहनत से इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। डिंपल के भाई अभिनव मौर्य वर्तमान में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बीटेक कर रहे हैं। डिंपल ने भी सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखते हुए पढ़ाई को ही अपनी प्राथमिकता बनाया।

रिया सोमवंशी प्रदेश में नौवां स्थान, इंजीनियर बनने की इच्छा

संजय नगर निवासी रिया सोमवंशी ने 476 मार्क्स हासिल कर प्रदेश में नौवां स्थान हासिल किया है। उनके पिता जयवीर सिंह व्यापारी हैं और बेकरी का काम करते हैं। मां ब्रजलता सिंह गृहिणी हैं। रिया का सपना इंजीनियर बनने का है और वह भी सोशल मीडिया से दूर रहकर केवल पढ़ाई पर केंद्रित रही हैं। उनका छोटा भाई रिशव फिलहाल 10वीं कक्षा में पढ़ रहा है। तीनों छात्राओं ने एक साधारण पृष्ठभूमि से आकर अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से यह उपलब्धि हासिल की है। न तो उन्होंने कोचिंग का सहारा लिया, न ही इंटरनेट की चकाचौंध में उलझीं। इनकी सफलता यह दशार्ती है कि ग्रामीण या छोटे शहरों के विद्यार्थी भी बड़े सपने देख सकते हैं और उन्हें साकार भी कर सकते हैं। बरेली जिले के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब एक ही स्कूल की तीन छात्राओं ने प्रदेश स्तर पर टॉप 10 में स्थान हासिल किया है। पूरे स्कूल में टीचरों और परिजनों ने इस सफलता के बाद बच्चों के साथ जमकर डांस किया और मिठाइयां बांटी।

केवल पैसे कमाने वाले डॉक्टर न बनें..गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम में बोले होसबाले, CM योगी भी पहुंचे

संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने CMS गोमतीनगर विस्तार में गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 5 ।0 के कार्यकर्ता सम्मान समारोह को संबोधित किया। उन्होंने समारोह के मुख्य अतिथि RSS के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसवाले के साथ भगवान धनवंतरी, भारत माता, गुरु गोरखनाथ और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई विभूतियों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए POCT GROUP के चेयरमैन सौरभ गर्ग भी सम्मानित हुए। POCT ग्रुप उत्तर प्रदेश की डायग्नोस्टिक्स सेक्टर और स्वास्थ्य के सेक्टर में अभूतपूर्व काम करती है, जिससे आम जनमानस

तक स्वास्थ्य की मुलभूत सुविधाएं मिल पाए।

इस मौके पर RSS के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हम हिंदू राष्ट्र नहीं बना रहे, वह तो पहले से है। हमारी कोशिश आचरण, स्वभाव, विचार, संस्कार से हिंदू बनाने की है। संघ के लोग आपदा के वक्त सबसे आगे रहते हैं। केवल पैसे कमाने वाले चिकित्सक न बनें। होसबाले ने कहा कि सुदूर क्षेत्रों में जाकर जिन चिकित्सकों ने सेवा कार्य किया है उनके प्रति समाज को कृतज्ञ रहना चाहिए

मिड डे मील में मिला सांप, बच्चों को जबरन खिलाया खाना, 50 से अधिक बीमार

संवाददाता

पटना । बिहार की राजधानी पटना के मोकामा प्रखंड के मेकरा गांव में उस वक्त अचानक अफरातफरी मच गई। जब सरकारी स्कूल में मिड डे मील खाने के बाद दर्जनों बच्चे बीमार हो गए। एक के बाद एक बच्चों को बीमार होते देख पूरे गांव में कोहराम मच गया। बच्चों ने बताया कि उनके भोजन में सांप गिर गया था। इसके बाद भी स्कूल के टीचरों ने जबरन भोजन कराया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। राजधानी पटना के मोकामा प्रखंड के मेकरा गांव में स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मिड-डे मिल खाने के बाद छात्रों की हालत बिगड़ गई। इस दौरान एक-एक करके स्कूल में पढ़ने वाले दर्जनों बच्चे बीमार हो गए। सभी बच्चों को चक्कर आने और उल्टी की शिकायत थी। देखते ही देखते पूरे गांव में कोहराम मच गया। स्कूल में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं बीमार बच्चों को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। बच्चों ने बताया कि मिड-डे मिल के लिए बने भोजन में सांप गिर गया था। उसे स्कूल के टीचरों ने भोजन से निकाल दिया और उसी भोजन को जबरन बच्चों को खिला दिया गया। कुछ बच्चों ने जब जहरीले भोजन को खाने से इंकार किया तो स्कूल के शिक्षकों के द्वारा उन्हें डराया धमकाया गया। बच्चों के बताया कि लगभग चार सौ छात्रों ने इस जहरीले भोजन को खाया। भोजन करने के बाद से ही बच्चे बीमार होने लगे।

वीजा हुआ खत्म, फिर भी बिहार में डाला डेरा; भारत-नेपाल बॉर्डर से अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

संवाददाता

पूर्वी चंपारण। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी नागरिकों की वीजा अवधि खत्म हो गई थी। इसके बाद भी वह गैरकानूनी तरीके से रह रहा था। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। इनको भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रक्सौल से गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राज्य में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। वहीं गिरफ्तार किए गए अमेरिकी नागरिक से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, पूर्वी चंपारण के रक्सौल के पास भारत नेपाल सीमा पर इमिग्रेशन विभाग के द्वारा एक अमेरिकी नागरिक एटान बेन को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह अमेरिकी नागरिक गैरकानूनी तरीके से इंडिया में रह रहा था। इमिग्रेशन विभाग ने अमेरिकी नागरिक को पकड़कर तत्काल इसकी सूचना हरैया थाने की पुलिस को दी। इसके बाद हरैया थाने की पुलिस ने गैर कानूनी रूप से रह रहे अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इमिग्रेशन विभाग द्वारा की गई जांच में यह सामने आया है कि एटान बेन अमेरिका के वर्जीनिया का निवासी है। भारत में रहने का उसका कोई वैध प्रमाण नहीं था।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051,